हरिभूमि
महेन्द्रगढ़-नारनौल भूमि
रोहतक, मंगलवार, 11 मार्च 2025

11 मोलड़नाथ मेले में सुमेर की घोड़ी और हाजी कमरू का...

12 होली से पहले बाजार में रंग-गुलाल की दुकानें सजी, मार्केट में...

MR SCHOOL
Affiliated to CBSE
MITTERPURA | ATELI
A Name of Dedication, Hardwork and Sincerity
।। तमसो मा ज्योतिर्गमय ।।
कोटा की FACULTY अब MR SCHOOL ATELI में
JEE / NEET COACHING with KOTA Faculty Experts
ADMISSION OPEN
Session 2025-26
अब MR में स्कूल व कोचिंग साथ-साथ
SAMBHAV CLASSES
VI to X Foundation Classes
XI to XII JEE / NEET
Special Coaching for CLAT / NDA CA-CPT OLYMPIAD
MITTERPURA, NARNAUL (HR.)
9466945658, 9416903367
mrps530543@gmail.com www.mrpublicschool.com
NARNAUL ROAD, ATELI MANDI
8278085868, 9416903367
mrpsateli@gmail.com www.mrpsateli.in

बजट मीटिंग का बहिष्कार करके सांकेतिक धरने पर बैठे नगर पालिका पार्षद

- अधिकारियों पर तानाशाही व अनियमिताएं बरतने के लगाए आरोप
- कार्यकार के 30 महीने बीतने के बावजूद ग्रामीण वार्डों में हाईमास्क लाइटों का प्रबंध नहीं कर पाई नपा
- रास्तों के निर्माण व रिपेयर में धांधली होने से सरकार की छवि हुई प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ⏭नांगल चौधरी

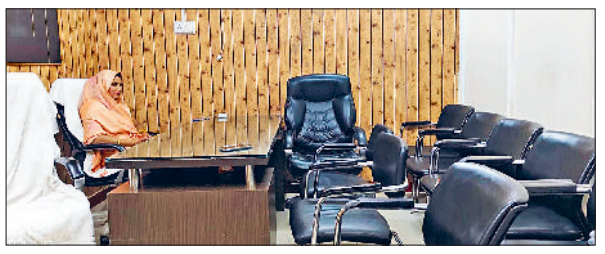

नांगल चौधरी। बजट मीटिंग का बहिष्कार करके नपा प्रशासन विरोधी नारेबाजी करते पार्षद व कार्यालय में खाली कुर्सियां। फोटो : हरिभूमि

विकास कार्यों की धीमी रफ्तार, अनियमिताएं और अधिकारियों की तानाशाही के खिलाफ नपा पार्षदों का गुस्सा उबाल खा गया। सोमवार को प्रस्तावित बजट मीटिंग का बहिष्कार करके सभी पार्षद सांकेतिक धरने पर बैठ गए। उन्होंने कहा कि वार्डों में क्षतिग्रस्त सड़कें, सफाई, कच्चे रास्तों की समस्या बनी हुई हैं। समाधान के लिए अधिकारियों को अवगत भी कराया जाता है, लेकिन उनकी सुनी नहीं जाती। आधा कार्यकाल बीतने के बावजूद कुछ ग्रामीण वार्डों में हाईमास्क लाइटें तक नहीं लग पाई हैं।

गुस्साएं वाइस चेयरमैन मुकेश शर्मा, पार्षद कवरसिंह जाखड़, विकास मुद्गिल, अनिता जाटीवाल, धर्मेंद्र सिंह, अनिता, रिंकू सैनी, धर्मबीर इत्यादि ने बताया कि नांगल चौधरी नपा को 13 वार्डों में विभाजित करके पार्षदों को विकास कार्यों में भागीदारी निभाने की जिम्मेवारी सौंपी गई है। साथ ही विकास कार्यों में पारदर्शिता बनाए रखने में योगदान देने की हिदायत है, लेकिन उनके कार्यकार को करीब 30 महीने बीत चुके हैं, अभी तक वार्डों में पेयजल का प्रबंध तक नहीं हुआ। बीते साल मानसून सीजन में शहर के अधिकांश रास्ते क्षतिग्रस्त हो गए थे। जिनकी रिपेयर के लिए हाउस की मीटिंग में मुद्दा उठाया गया था। लंबे समय तक इंतजार के बाद रिपेयर का बजट स्वीकृत होने पर टैंडर छोड़े गए थे, लेकिन दुर्भाग्यवश रिपेयर प्रक्रिया में पूरी तरह धांधली बरती गई है। घटिया सामग्री का इस्तेमाल होने से अधिकतर रास्ते दुबारा क्षतिग्रस्त बने हुए हैं। विभाग की ओर से नपा प्रशासन को पार्क, सामुदायिक भवन, सड़क निर्माण व अन्य विकास योजनाओं का बजट मुहैया कराया गया है। बजट राशि को बैंक खाते में पड़े हुए करीब एक साल बीत चुका है, अभी तक नपा प्रशासन ने टैंडर तक नहीं छोड़े। जिससे विकास कार्यों की रफ्तार का अंदाजा आसानी से लगाया जा सकता है। फरवरी महीने में सभी पार्षदों ने एकजुट होकर नपा प्रशासन से विकास कार्यों के टैंडर छोड़ने तथा पार्षदों को महत्व देने की गुहार लगाई थी। बावजूद अधिकारियों के रवैये में बदलाव नहीं आया। जिससे आक्रोशित पार्षदों ने सुबह मीटिंग का आयोजन किया। जिसमें सर्व सम्मति से बजट मीटिंग का बहिष्कार करने का निर्णय लिया। करीब 11 बजे आक्रोशित पार्षद कार्यालय में पहुंचे और सचिव को मीटिंग बहिष्कार की सूचना देकर धरने पर बैठ गए। एक घंटे तक चले धरने प्रदर्शन में अधिकारियों पर तानाशाही बरतने व विकास कार्यों में अनियमिताएं बरतने के आरोप लगाए।

विकास कार्यों के छूटेंगे टैंडर

अधिकारियों की अनदेखी की शिकायत संज्ञान में नहीं

नपा सचिव सौरभ जैन ने बताया कि पार्षदों ने बजट मीटिंग का बहिष्कार किया है। अधिकारियों की ओर से पार्षदों की अनदेखी करने की शिकायत संज्ञान में नहीं, वार्डों में लाइट लगाने का बजट मिल चुका है। जल्द ही टैंडर प्रक्रिया को पूरी करके विकास कार्यों को रफ्तार दी जाएगी। चेयरपर्सन का परामर्श लेकर ही दुबारा बजट मीटिंग की तिथि निर्धारित की जाएगी।

खबर संक्षेप

उन्हाणी में बाबा भैया का मेला कल

कनीना। गांव उन्हाणी में 12 मार्च को होली पर्व पर आयोजित होने वाले बाबा भैया मेला व भंडारे को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सरपंच प्रतिनिधि व समाजसेवी जयप्रकाश ने बताया कि 12 मार्च को सुबह 10 बजे भंडारे का आयोजन होगा। उन्होंने बताया की 11 मार्च रात्रि जागरण होगा।

नांगल में बाबा सेवादास मढ़ी पर भण्डारा आज

मंडी अटेली। खंड के गांव नांगल के जोहड़ में स्थित बाबा सेवा दास मढ़ी पर 11 मार्च को भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। इस संबन्ध में जानकारी देते हुए गांव के बाबू कृष्ण बाबू ने बताया कि हर साल होने वाले बाबा की याद में भण्डारे का आयोजन किया जाएगा। उन्होंने क्षेत्र के नागरिकों से आज प्रसाद ग्रहण करने की अपील की है।

उन्हाणी में बाबा भैया का मेला 12 को

कनीना। गांव उन्हाणी में कल 12 मार्च को होली पर्व पर आयोजित होने वाले बाबा भैया मेला व भंडारे को लेकर तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। सरपंच प्रतिनिधि व समाजसेवी जयप्रकाश ने बताया कि 12 मार्च को सुबह 10 बजे भंडारे का आयोजन होगा। जिसमें श्रद्धालुओं को प्रसाद वितरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि मेले से पूर्व 11 मार्च को रात्रि जागरण होगा।

फाग महोत्सव का आयोजन 14 को

नारनौल। श्रीश्याम महायज्ञ आयोजन समिति की ओर से फाग महोत्सव का आयोजन 14 मार्च की शाम सवा छह बजे सीआईए रोड स्थित रहीश फार्म हाउस में किया जाएगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता समिति के प्रधान दौलतराम गर्ग करेंगे। महोत्सव में बाबा श्याम की महिमा का गुणगान करने के लिए फरीदाबाद से संध्या तोमर, दौसा से अजय शर्मा आएंगे।

हमीदपुर में बाबा गोविंददास का मेला 14 को

नांगल चौधरी। हमीदपुर में 14 मार्च को धुलंडी के अवसर पर मेला व वार्षिक उत्वस धूमधाम से मनाया जाएगा। श्रद्धालुओं प्रसाद वितरण करके सामाजिक कुरीतियों के खिलाफ लोगों को जागरूक करने की परंपरा बनी हुई है। पुजारी विद्याधर कौशिक ने बताया कि मंदिर के आसपास गांवों के ग्रामीणों की आस्था जुड़ी हुई है। सुबह नौ बजे वार्षिकोत्सव वं मेले का शुभारंभ होगा। श्रद्धालू पूजा अर्चना करके मन्नतें मांगते हैं। दोपहर बाद ठाकूर जी का फूल डोला सजाया जाएगा तथा गांव में शोभा यात्रा निकाली जाएगी। सांस्कृतिक प्रस्तुति, धमाल, भजन व छंद कराए जाएंगे।

पूर्व सिंचाई मंत्री ने सरकार को पर्यटन केन्द्र के विकास के लिए प्रस्तुत की रूपरेखा

अप्रैल में शुरू होगा ढोसी के पहाड़ पर रोप-वे का निर्माण कार्य

- प्राकृतिक उपचार केंद्र एवं एडवेंचर गेम्स के साथ नारनौल के ऐतिहासिक स्थलों को साथ जोड़ने का सुझाव

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

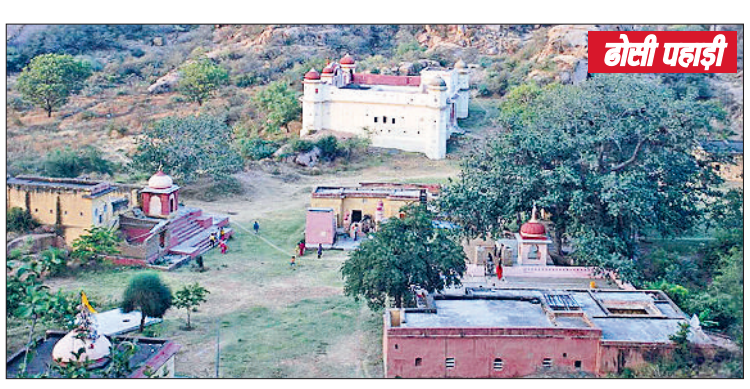

नेशनल हाईवे इन्फ्रास्ट्रक्चर एवं लॉजिस्टिक कॉर्पोरेशन के तत्वावधान में ढोसी के पहाड़ पर रोप-वे निर्माण की प्रक्रिया इस माह के अंत तक पूरी होने जा रही है। विभाग की सूचना के मुताबिक अप्रैल के महीने में इस पर निर्माण का कार्य धरातल पर प्रारंभ कर दिया जाएगा। बता दें कि 57 करोड़ रुपये की लागत से तैयार होने वाला यह रोप-वे इस क्षेत्र में पहला रोप-वे होगा, जो ढोसी के पौराणिक महत्व के तीर्थ स्थल पर आम जनता की पहुंच सुगम बनाएगा।

आपको बताते चले कि नांगल चौधरी के तत्कालीन विधायक डा. अभय सिंह यादव के आग्रह पर तत्कालीन मुख्यमंत्री मनोहरलाल इस स्थल के व्यक्तिगत निरीक्षण के लिए हेलीकॉप्टर से सितम्बर 2018 में पहाड़ पर उतरे थे। उसी दिन उन्होंने इसे एक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने के लिए घोषणा की थी। प्रारंभ में इस पहाड़ पर ऊपर चढ़ने के लिए पीडब्ल्यूडी विभाग की ओर से सड़क निर्माण की योजना बनी थी, लेकिन पहाड़ के वर्तमान स्वरूप को क्षति पहुंचने की संभावनाओं को देखते हुए बाद में राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण की ओर से इस पर रोप-वे निर्माण का फैसला हुआ, जो 57 करोड़ रुपये की लागत से अब तैयार किया जाएगा।

क्षेत्र में बढ़ाएगा व्यापार व रोजगार की संभावनाएं

पूर्व मंत्री का विचार है कि ढोसी को एक पर्यटन केन्द्र के रूप में विकसित करते हुए समस्त जिले के ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को इससे जोड़ा जा सकता है। नारनौल की ऐतिहासिक इमारतें जैसे बीरबल का छत्ता, चोर गुंबद, जलमहल, शाहकुलीखां का मकबरा, मिर्जा अली की बावड़ी, महेंद्रगढ़ का किला व माधोगढ़ का रानी महल इत्यादि सभी ऐतिहासिक महत्व के स्थलों को इसके साथ जोड़ा जा सकता है। पूर्व मंत्री ने विशेष रूप से सर्दी के मौसम में राजस्थान को नारनौल से होकर जाने वाले हजारों पर्यटकों का जिक्र करते हुए कहा कि यह सभी पर्यटक ऐतिहासिक स्थलों को देखने राजस्थान के कई शहरों में जाते हैं। इसी कड़ी में यदि नारनौल में पर्यटन का विकास होता है, तो इन पर्यटकों का भी कुछ दिनों के लिए नारनौल में ठहराव हो सकता है, जो इस क्षेत्र में व्यापार व रोजगार की संभावनाएं बढ़ाएगा तथा महेंद्रगढ़ जिला देश के पर्यटन मानचित्र पर अपनी उपस्थिति दर्ज करवा सकता है। अपने पत्र में यादव ने यह भी सुझाव दिया है कि किसी अनुभवी व विख्यात एजेंसी की ओर से सरकारी व निजी संयुक्त भागीदारी में इस पर्यटन क्षेत्र का विकास करवाया जाए, ताकि इस क्षेत्र में पर्यटन का सतत विकास होता रहे।

पहाड़ के ऊपर किया जाए अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्राकृतिक उपचार केन्द्र स्थापित: पूर्व मंत्री

इस संदर्भ में पूर्व सिंचाई मंत्री डा. अभय सिंह यादव ने पर्यटन मंत्री हरियाणा को पत्र लिखकर इस स्थल को एक बहुआयामी पर्यटन स्थल के रूप में विकसित करने का सुझाव दिया है। पूर्व मंत्री ने बताया कि उन्होंने सरकार से आग्रह किया है कि पहाड़ की प्राकृतिक छटा को देखते हुए पहाड़ के ऊपर एक अंतर्राष्ट्रीय स्तर का प्राकृतिक उपचार केन्द्र स्थापित किया जाए। चारों तरफ से पहाड़ की चोटियों से घिरा हुआ, बीच का समतल स्थल अपने आप में ही एक स्वास्थ्यवर्धक मनमोहक तथा रमणीय स्थल है। जिस पर प्राकृतिक उपचार भविष्य में एक अन्तर्राष्ट्रीय आकर्षण का केंद्र बन सकता है। इसके साथ ही पहाड़ की ऊंची चोटियों पर कुछ समतल चट्टानें पैराग्लाइडिंग व रोप क्लाइम्बिंग जैसे एडवेंचर खेलों के लिए आकर्षण का केंद्र बन सकती हैं। यादव ने अपने पत्र लिखा है कि यह पहाड़ महर्षि च्यवन जैसे संत की तपो स्थली होने के अतिरिक्त महाभारत काल का यह पौराणिक महत्व का स्थल है। जहां पहाड़ पर मंदिर व चंद्रकूप जैसी जगहों को ऐतिहासिक और धार्मिक पर्यटन के लिए विकसित किया जा सकता है। वहीं पहाड़ पर विभिन्न प्रदेशों के शाकाहारी व्यंजनों के लिए एक आधुनिक फूड कोर्ट की व्यवस्था की जा सकती है।

हुडा सेक्टर में पेयजल संकट पर विधायक गंभीर, दिए निर्देश

विधायक बोले: चाहे 100 टैंकर लगाए, हुडा वासियों को पेयजल किल्लत का न करना पड़े सामना

नारनौल। विधानसभा सत्र में नारनौल विधायक ओमप्रकाश यादव ने हुडा सेक्टर में पेयजल संकट पर गंभीर है। उन्होंने सोमवार प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बताया कि नारनौल शहर के एचएसवीपी सेक्टर में पानी की किल्लत आ गई है। किसी कारण से अधिकारियों की लापरवाही के कारण समय पर नहरी पानी से पीने के पानी के टैंक नहीं भरे जा सके। नहरी पानी दोबारा आने में चार पांच दिन लग सकते हैं। पीने के पानी के टैंक खाली हो गए। इस दुविधा का निवारण करने के लिए एचएसवीपी के अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि नारनौल सेक्टर वासियों को पीने के पानी की कमी नहीं आनी चाहिए। वे प्राइवेट ट्रैक्टर किराए पर लेकर सप्लाई करें। पानी की कमी ना आने दें। चाहे 100 ट्रैक्टरों तक किराए पर करने पड़ें। इसकी मॉनिटरिंग के लिए एक प्रोटोकॉल अधिकारी लगाया गया है और भविष्य में कभी ऐसी स्थिति ना आए। एचएसवीपी के नारनौल सेक्टर के लिए दो नए ट्यूबवेल बोर करने के भी आदेश हुए हैं। जिनका कार्य एक सप्ताह के अंदर शुरू हो जाएगा।

महेंद्रगढ़ से शाम के समय चंडीगढ़ के लिए दादरी डिपो ने चलाई नई बस

हरिभूमि न्यूज ⏭महेंद्रगढ़

चरखी दादरी डिपो ने सोमवार से महेंद्रगढ़ नेशनल हाईवे 152-डी से रोडवेज बस सेवा शुरू की है। यह बस शाम के सात बजे महेंद्रगढ़ से चलकर बुचावास नेशनल हाइवे 152-डी से होते हुए चंडीगढ़ जाएगी। बस का रात्रि ठहराव भी चंडीगढ़ में ही रहेगा। नई बस सेवा शुरू करवाने के लिए सामाजिक संगठनों ने महेंद्रगढ़ लघु सचिवालय में समाधान शिविर में मांग रखी थी।

सामाजिक कार्यकर्ता रामनिवास पाटोदा ने बताया कि यह बस को चलवाने के लिए वह कई माह से संघर्ष कर रहे थे, क्योंकि महेंद्रगढ़ से चंडीगढ़ के लिए शाम के तीन बजे के बाद नेशनल हाईवे 152-डी से कोई बस सेवा नहीं थी। यह बस महेंद्रगढ़ बस स्टैंड से प्रतिदिन शाम सात बजे चलकर बुचावास होते हुए 152-डी से चंडीगढ़ जाएगी। ग्राम पंचायतों व सामाजिक संगठनों ने चरखी दादरी डिपो के महाप्रबंधक नवीन शर्मा, सीआई नवरत्न शर्मा सहित अन्य अधिकारियों का आभार जताया है। पाटोदा ने बताया कि यह बस सेवा नारनौल सेशाम को साढ़े छह बजे चलकर वाया महेंद्रगढ़, नेशन हाईवे 152-डी से रात्रि को चंडीगढ़ पहुंचेगी।

आईटीआई की दीवार गिरने से महिला की मौत

नारनौल। सिंघाना रोड पर कृष्ण नगर कॉलेज के समीप बनी निजी आईटीआई की दीवार गिरने से एक महिला की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार गांव भांखरी निवासी करीब 65 वर्षीय राजेश देवी नामक महिला परिवारजनों एवं मजदूरों के साथ खेतों में सरसों की लावणी कर रहे थे। बीती शाम को करीब साढ़े तीन बजे जब वह निजी आईटीआई की दीवार के पास से सरसों की ढेरी उठा रखी थी, तभी अचानक उस पर आईटीआई की दीवार आ गिरी। इस घटना में उसे काफी गंभीर चोटें लगी, जिस पर उसे उपचार के लिए अस्पताल लाया गया। बेटे नीरज ने बताया कि अस्पताल में उपचार के दौरान उसकी मां ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि आईटीआई की दीवार करीब नौ फुट ऊंची थी और वह जर्जर अवस्था में थी। कल शाम को लावणी के वक्त अचानक वह उसकी मां पर आ गिरी। सूचना मिलने पर पुलिस ने इतेफाक हादसे की कार्रवाई करते हुए शव का पोस्टमार्टम कर उसे परिजनों को सौंप दिया।

युवती ने संदिग्ध परिस्थिति में निगला जहर, मौत

नारनौल। शहर में बस स्टैंड के पास एक युवती ने कोई जहरीला पदार्थ का सेवन कर लिया। उसकी तबीयत बिगड़ी तो राहगीरों ने नजदीकी निजी अस्पताल में पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने युवती को मृत घोषित कर दिया। यह सूचना पाकर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को नागरिक अस्पताल में पहुंचाया। इस दौरान परिजनों को भी अवगत करवाया गया। बताया जा रहा है कि युवती यहां एक कोचिंग सेंटर में आई थी। अटेली क्षेत्र के गांव सलीमपुर वासी युवती सोमवार बस स्टैंड पर आई थी। बस स्टैंड के पास ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए कोचिंग लेती है। दोपहर करीब एक बजे बस स्टैंड के अंदर पार्क में एक पेड़ के नीचे बैठी थी। राहगीरों ने देखा कि कुछ जहरीला पदार्थ का सेवन करने से युवती की तबीयत बिगड़ने लगी है। वहां मौजूद पुलिस को अवगत करवाया गया। जहां युवती को बस स्टैंड के पास ही एक निजी अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जहां चिकित्सक ने युवती को मृत घोषित कर दिया। इस संबंध में चिकित्सक विनीत ने मीडिया को बताया कि युवती बेहोशी की हालत में लाई गई थी। इलाज किया तो उसकी मौत हो गई।

साल 2024 के शुरुआती दौर में खामियां दुरुस्त करके भेजी गई थी फाइल, फिर कमियां बता रूकी फाइल

फिर खामियां बता रूकी अप्रूवल, अभी 34 कॉलोनी को वैध होने में लगेगा वक्त

हरिभूमि न्यूज ⏭नारनौल

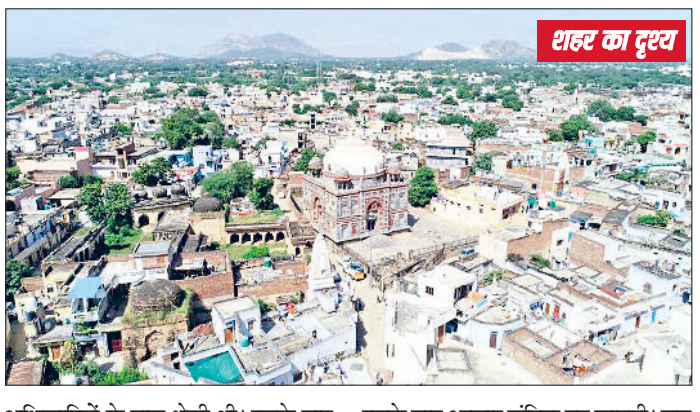

पिछले दो साल से इंतजार कर रहे शहर की 34 कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को अभी ओर इंतजार करना पड़ेगा। उनकी कॉलोनी जो अभी अवैध की श्रेणी में शामिल है, उन्हें वैध करने के लिए नगर परिषद प्रशासन ने जो रिपोर्ट तैयार करके उच्च अधिकारियों के पास भेजी थी, उनमें कमियां मिली है। इन कमियों को दूर कर फिर से अप्रूव्ल के लिए फाइल भेजी जाएगी। ऐसे में अभी मंजूरी में ओर समय लगेगा।

आपको बता दें कि जिला के सबसे बड़े शहर नारनौल के अंदर 34 कॉलोनियों को अप्रूव्ड करने के लिए साल 2024 के शुरूआती दौर में डीएमसी महावीर सिंह ने प्रयास किए थे। उन्होंने इन कॉलोनियों को वैध करवाने के लिए फाइल उच्च अधिकारियों के पास भेजी थी। इसके बाद लोकसभा, फिर विधानसभा चुनाव होने की वजह से मामला रूक गया। अभी हरियाणा में नगर निकाय के चुनाव हुए है, जिनका परिणाम 12 मार्च को आना है। इसके बाद आचार संहिता हट जाएगी। सूत्र बताते है कि इनमें से दो कॉलोनी अप्रूव्ड नहीं होगी।

इनमें से एक नगर परिषद एरिया से बाहर है और दूसरी दो एकड़ से कम है। इसके अलावा 32 कॉलोनी अप्रूव्ड होने की उम्मीद है, बशर्ते जो खामियां अब उच्च अधिकारियों ने गिनवाई है, वह दुरूस्त हो पाएं। इसकी तैयारियों में नगर परिषद प्रशासन जुटा है।

नारनौल में इन 32 कॉलोनियों के अप्रूव्ड होने की उम्मीद

कॉलोनी का नाम	एकड़	कॉलोनी का नाम	एकड़	कॉलोनी का नाम	एकड़
पुरानी मंडी कॉलोनी	2.76	गणेश कॉलोनी	111.25	हरीनगर कॉलोनी	29.40
ममता कॉलोनी	8.62	परशुराम एक्सटेंशन कॉलोनी	32.73	अमृतधारा कॉलोनी	29.65
खेतानाथ कॉलोनी	8.82	राधा कॉलोनी	33.74	नीलकण्ड कॉलोनी	50.68
दीवान कॉलोनी	9.13	केआईडीएस कॉलोनी	7.89	एम्पलाइ कॉलोनी एक्सटेंशन	23.98
केशवनगर एक्सटेंशन	29.03	रामकरणदास एक्सटेंशन	17.45	आरकेपुरम कॉलोनी	32.07
कुलताजपुर रोड कॉलोनी	35.69	सरस्वती कॉलोनी	16.78	सुभाषनगर कॉलोनी	26.79
दयानगर एक्सटेंशन कॉलोनी	50.93	शादीराम कॉलोनी	4.35	सुभाषनगर कॉलोनी एक्सटेंशन	9.1
जलमहल कॉलोनी	23.64	सनसाइन कॉलोनी	25.55	अग्रसेन एक्सटेंशन कॉलोनी	10.83
मालीटिबा एक्सटेंशन कॉलोनी	32.41	हीरा नगर	27.72	शीला कॉलोनी	7.30
यूरेका कॉलोनी	13.44	कैलाशनगर एक्सटेंशन	26.46	रघुनाथ नगर	11.37
		रामनगर कॉलोनी	58.64	एमबीसीसी कॉलोनी	10.56

क्या कहते है डीएमसी : इस संबंध में डीएमसी का चार्ज संभाल रहे एडीसी डा. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि शहर में जिन कॉलोनियों को अप्रूव्ड के लिए उच्च अधिकारियों के पास भेजा था, उसमें कुछ खामियां बताई गई है। वह इन खामियों को दुरूस्त करवाकर दोबारा अप्रूव्ल के लिए भेजेंगे। प्रयास रहेगा कि जल्द से जल्द यह कॉलोनियों अप्रूव्ड हो जाए ताकि शहर में चल रहे विकास कार्यों में तेजी आ सके।

हरिभूमि
सहेली
रंगोत्सव विशेष

होली सिर्फ रंगों का पर्व नहीं है, यह जीवन में उत्साह-उमंग और नई खुशियां भरने वाला, रिश्तों में स्नेह-प्रेम के रंग सजाने वाला पर्व भी है। स्त्रियों के लिए तो यह पर्व और भी ज्यादा महत्व रखता है, क्योंकि वे परिवार-समाज में मधुरता बनाए रखने में विश्वास करती हैं, इस लिहाज से उनके लिए होली का पर्व बहुत अच्छा अवसर है।

होली लेकर आई खुशियों के रंग

आवरण कथा

सरस्वती रमेश

होली के रंगों में जीवन का उल्लास होता है, तरंग होती है। इसीलिए फाग के गीत भी होंठों पर अनायास आ जाते हैं। कानों में ढोल-मंजीरे की झंकार गूंजने लगती है, लोग थिरक उठते हैं। आंखों के आगे अबीर, गुलाल उड़ने लगता है। होली में तन-मन रंगों से भीगकर सतरंगा हो जाता है। हम सौभाग्यशाली हैं, जो हमारे पास रंगों का एक ऐसा अनोखा और प्यारा पर्व है। लेकिन बात वास्तव में तब बनेगी, जब ऐसे रंगमय, स्नेहमय, प्रेममय और संगीतमय त्योहार की रंगत को हम जीवन में उतारें। अपने घर-परिवार, रिश्ते-नाते सबको प्रेम के रंग में रंगकर दूसरों के साथ किसी प्रकार की कड़वाहटों और मनमुटाव को दूर करें। सबके प्रति सकारात्मक भाव रखें।

स्त्री जीवन है विविध रंगों की रंगोली

देखा जाए तो स्त्रियों का जीवन विविध रंगों से बनी एक खूबसूरत रंगोली है। क्योंकि इनकी दुनिया रंगों के खूबसूरत मेल से ही बनती है। मायका, ससुराल, परिवार, मातृत्व, रिश्ते-नाते, आस-पड़ोस और सामाजिक जिम्मेदारियां, ये सब स्त्री-जीवन के इंद्रधनुष में सजे रंग ही तो हैं, जिसे वे जीती हैं। हर रंग की अपनी अहमियत है, भूमिका है, चमक है। कोई एक रंग भी फीका पड़ जाए तो स्त्रियों के जीवन के साथ ही, परिवार के हर सदस्य पर इसका प्रभाव पड़ता है। हर किसी के जीवन में कठिनाइयां और पीड़ाएं आती हैं। इसलिए स्त्री अपने जीवन के इंद्रधनुषीय रंगों को सहेजकर रखती है। हर हाल में उसकी चमक बनाए रखने की कोशिश करती है। फिर चाहे आर्थिक जिम्मेदारियों से जुड़ा स्वावलंबन का रंग हो या फिर घर के बड़े-बुजुर्गों की सेवा का रंग, स्त्री कभी पीछे नहीं हटती है। रंगों से मिलने वाली ऊष्मा को स्त्री स्वयं तो धारण करती ही है, अपने परिवार के सदस्यों को आपस में जुड़ने का मार्ग भी प्रशस्त करती चलती है।

साथ का महत्व बताती है होली

होली का त्योहार हमारे जीवन में व्याप्त सारी कड़वाहटों को दूर करने के लिए आता है। यह पर्व हमें परिवार के साथ का असली महत्व बताता है। जब परिवार की सारी स्त्रियां, पुरुष और बच्चे मिलकर गुझिया, मिठाइयां, पापड़, नमकीन बनाते हैं। घर की स्त्रियां साथ मिलकर होली पूजन के लिए जाती हैं, एक-दूसरे को शुभकामनाएं देते हुए रंग-गुलाल लगाती हैं, तभी होली अपने असली मधुर रूप में दिखती है। इस तरह सबके साथ स्नेह-प्रेम के रंग में भीगने के बाद स्त्री-पुरुष हर कोई मन की सारी कड़वाहट भूल जाता है। परिवार, आस-पड़ोस में हुए मनमुटाव, तनातनी सब रंगों में धुल जाते हैं। जीवन की परेशानियों से मुकाबला करने के लिए हम नई ऊर्जा से सराबोर हो उठते हैं। हंसता-गाता मन, जीवन जीने के लिए हमारे भीतर नई उमंगें भर देता है। इसी को तो कहते हैं जीवन में विविध रंग भरने वाली होली, अपनेपन के अहसास से भरने वाली होली।

कम न हो खुशियों की बौछार

होली के रंग जीवन में उजास भरते हैं। हम स्त्रियों का रंगों के इस उजास को जीवन में उतारना बहुत जरूरी है। कारण, वर्तमान समय में एक स्त्री की भूमिका बहुत विस्तृत हो चुकी है। इसलिए उसे तरह-तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। ऐसे में एक स्त्री के लिए अपने मन को सकारात्मक विचारों के रंग से सराबोर रखना, जीवन में उल्लास की रंगीन बौछारों की नमी बनाए रखना, परिवार में उमंग-तरंग बनाए रखना बहुत जरूरी है। जीवन में हर्ष और अपनों के बीच आत्मीयता का भरपूर रंग हो तो जीवन हंसी-खुशी कट जाता है, जिंदगी आसान हो जाती है। बाधाएं हमें आगे बढ़ने से रोक नहीं पातीं। ऐसे में खुशियों को सेलिब्रेट करने के मौके बार-बार आते हैं। परिवार के हर सदस्य का जीवन, तरह-तरह के रंगों में रंगकर खूबसूरत और जीवंत हो जाता है।

खुशियों के रंग कभी न हों फीके

उड़ता गुलाल और रंगों में रंगे खिलखिलाते चेहरों को देखकर हर किसी का मन खुशी से झूम उठता है। अपनी रोज-रोज की नीरस दिनचर्या से ऊबी घर की स्त्रियां होली के बहाने ही सही, थोड़ी मस्ती, थोड़ा धमाल करके हंसी की फुहारों से तरोताजा हो जाती हैं। दरअसल, होली बचपन के खिलंदड़ेपन को फिर से जीने का अहसास है। यह अहसास मन में जीने की उमंग भरता है। तभी तो होली के रंग आज भी उतने ही चटख हैं, जितने पहले हुआ करते थे। होली का संदेश भी यही है कि हमारे जीवन में खुशियों के रंग कभी फीके न हों।

आइए, हम भी होली के अवसर पर प्रेम-स्नेह की रंगी फुहारों में भीगकर उमंगित-तरंगित हों, जीवन में नए रंग भरें। सबको होली की शुभकामनाएं...

रंगों को समझें रंगों में उतरें

होली पर्व का निहितार्थ देखा जाए तो बहुत गहरा है। यह पर्व यही कहता है कि दूसरे के रंगों में रंगाने के साथ उनको अपने रंग में भी रंगो। मतलब हम एक-दूसरे को आत्मसात करें, रंगों के बहाने अपने रिश्तों में प्रेम-स्नेह घोलें, प्रगाढ़ बनाएं। होली का पर्व हमें प्रकृति से भी जोड़कर हमारे जीवन में उत्साह-उमंग भरता है, ऊर्जावान बनाता है।

पर्व निहितार्थ

चेतना झा

अंबर ने ओढ़ी है तन पर चादर नीली-नीली/ हरित धरित्री के आंगन में सरसों पीली-पीली/ सिंदूरी मंजरियों से है अंबा शीश सजाए/ रोलीमय संध्या ऊषा की चोली है/ तुम अपने रंग में रंग लो तो होली है।

हरिवंश राय बच्चन की ये कितनी सारगर्भित पंक्तियां हैं। कभी अपने रंग को पहचानना तो कभी औरों के रंग में रंग जाना, कभी अपने रंग में सराबोर कर देना, जिंदगी की सार्थकता इसी में है। होली तो बहाना है, रंगों को समझने का, रंगों में उतरने का।

प्राकृतिक रंगों का आनंद: कभी काम का बहाना तो कभी समस्याओं का रोना, सच तो यह है कि सूर्योदय-सूर्यास्त के समय धरती-आसमान के सुंदर रंगों से हम अंजान हो रहते हैं। प्रकृति ने कितने खूबसूरत रंगों से सजा रखी है धरती। कहीं दूर तक नीला आसमान, तो कहीं पेड़ों की हरितिमा। पक्षियों के पंखों से फूलों की पंखुड़ियों तक कितने सुंदर और विलक्षण रंग हैं। पलाश-टेसू से ट्यूलिप-यलो एलडर तक। प्रकृति के कैनवस पर फैले इन रंगों को समझने, उस पर मुग्ध होने के लिए दौड़ती-भागती जिंदगी में कुछ पल ठिठकना जरूरी है। रंगों का त्योहार होली हमें यही संदेश देता है। इस साल हम कुछ इसी संकल्प के साथ मनाएं होली कि जिंदगी से प्रकृति के रंगों को दूर नहीं होने देंगे। अपनी जिंदगी में रंग बटोरेंगे तो अपनों की जिंदगी में भी रंग बिखेरेंगे। कभी थोड़ा ठहर कर किसी अनजान की उदास जिंदगी में भी चुटकी भर रंग भरने की कोशिश करेंगे हम। यकीनन ये रंग हमारी जिंदगी में सुकून बिखेरेंगे।

समझें रंगों का अर्थ: रंगों का हमारे दिलोदिमाग पर कितना असर पड़ता है, यह विज्ञान साबित कर चुका है। प्रकृति का हर रंग कुछ कहता ही नहीं, बहुत कुछ करता भी है। जैसे सफेद रंग को ही लें तो यह शांति की बात कहता है। अगर परिवेश में सफेद रंग की कमी होती है तो अशांति पसरती है। उसी तरह लाल रंग जोश-उमंग का रंग है। लाल वस्त्र पहने लोग आम लोगों की अपेक्षा खुद के भीतर अधिक जोश का आभास कराते हैं। रंगों के जानकारों का कहना है कि परिवेश में लाल रंग की कमी आलस्य और जड़ता को जन्म देती है। अगर आपको क्रोध अधिक आता है तो अपने कपड़ों, दीवारों के रंग, चादर, पर्दों के रंगों में नीला रखिए। रंग विशेषज्ञों का कहना है कि नीले रंग की कमी से क्रोध अधिक आता है। उपाय भी बताते हैं कि शांत जगह पर आंखें बंद कर बैठ जाएं और अनुभव करें कि चारों ओर नीलिमा फैली है। दूर तक फैले नीले आसमान को बंद आंखों से मुग्ध होकर निहारिए। यकीनन मन को शांति-सुकून मिलेगा।

रिश्तों को करें तरोताजा: जीवन में होली का महत्व कई रंगों से सजा है। यह उत्सव सामाजिक-पारिवारिक संबंधों को तरोताजा करने का एक खूबसूरत बहाना है। देखिए न, होली पकवानों को बनाने और अपनों को खिलाने का त्योहार है। मिलने-मिलाने का त्योहार है। निर्मल होकर दूसरों के रंग में रंगने और खुद के रंग से दूसरों को सराबोर कर देने का खूबसूरत मौका है। तो इस होली बचपन की तरह निर्मल होकर उत्सव मनाने का प्रयास करें। खाना-खिलाना तो अपनी जगह है, अबकी बचपन की तरह जी भर के रंग खेल कर देखिए। निराशा परे छटेगी। हताशा पर उमंग का रंग चढ़ेगा। यकीनन, आपके भीतर एक नई ऊर्जा भरेगी। रंग खेलने से केवल आपका शरीर ही रंगों से सराबोर नहीं होता, भीतर भी रंग हमारे आवेगों और मन को तरंगित करते हैं।

हेयर केयर

ललिता गोयल

तब रंगों से आपके बाल नहीं होंगे खराब

होली पर रंगों से खेलने में मजा तो खूब आता है। लेकिन अगर सावधानी न बरती जाए तो रंग खेलने के बाद बालों से रंग छुड़ाने में बहुत परेशानी होती है। इससे बालों को बहुत नुकसान भी होता है। आजकल मार्केट में मिलने वाले रंग और गुलाल में कई केमिकल्स मौजूद होते हैं, जिससे बाल रूखे-बेजान हो जाते हैं। ऐसे में जरूरी है कि होली खेलने से पहले बालों की सही तरीके से केयर की जाए।

प्रॉपर ऑयलिंग: इस बात का ध्यान रखें कि होली पर रंग खेलते समय आपके बाल सूखे न रहें। दरअसल, मार्केट में मिलने वाले अधिकतर रंगों में केमिकल मिले होते हैं। ऐसे रंग अगर सूखे बालों में पड़ जाएं तो इससे वो कमजोर होने लगते हैं। इसलिए अपने बालों को नुकसान होने से बचाने के लिए सरसों, बादाम, जैतून या नारियल का तेल जरूर लगाएं। होली खेलने से एक घंटे पहले बालों में तेल लगाएं। इससे स्कैल्प के ऊपर एक प्रोटेक्टिव लेयर बन जाती है, बालों को पोषण मिलता है और स्कैल्प में कलर्स एब्जॉर्ब भी नहीं होते हैं। इससे रंग खेलने के बाद शैंपू करने पर आसानी से रंग निकल जाता है। बालों को खराब होने से बचाने के लिए तेल घर पर भी बनाया जा सकता है। यह तेल गुड़हल के फूल, नारियल तेल और लौंग को मिलाकर पकाकर बनाया जाता है। इस तेल से मसाज करने से बालों की कंडीशनिंग होती है, जड़ें मजबूत होती हैं।

बांधकर रखें: होली खेलते समय बालों को खुला ना छोड़ें। खुले बालों में रंग ज्यादा एब्जॉर्ब होता है, जिससे सिर की त्वचा पर एलर्जी हो सकती है।

ढंककर रखें: होली खेलने से पहले बालों को बांधने के साथ कैप लगा लें। स्कार्फ या दुपट्टे से भी बालों को ढंक सकती हैं। ऐसा करने से स्कैल्प डैमेज नहीं होगा और स्किन तक कलर नहीं पहुंचेगा। इससे बालों को एक्स्ट्रा प्रोटेक्शन भी मिलेगी।

होली पर रंग खेलने से पहले ही नहीं रंग खेलने के बाद भी बालों की देखभाल की जरूरत होती है।

शैंपू-कंडीशनर लगाएं: रंग, बालों को रूखा और बेजान करते हैं। इसके साथ ही केमिकल वाले रंग से सर की स्किन पर एलर्जी या ड्राइनेस हो सकती है। इससे बचने के पहले बालों को साफ पानी से अच्छी तरह धोएं और उसके बाद केमिकल फ्री शैंपू का इस्तेमाल करें। इससे ऊपरी परत से रंग हट जाएगा। इसके बाद शैंपू करें और फिर कंडीशनर लगाएं। इससे बालों में लगा रंग हट जाएगा। अगर सूखे रंगों से होली खेली है तो खेलने के बाद बालों को ब्रश कर लें।

(हेयर एक्सपर्ट डॉ. महिमा से बातचीत पर आधारित)

डाइट सजेशन

डॉ. अदिति शर्मा
न्यूट्रिशनिस्ट-कोलंबिया एशिया हॉस्पिटल, एनसीआर

होली के अवसर पर तरह-तरह के व्यंजन खाए-खिलाए जाते हैं। लेकिन डाइट को लेकर कॉन्शस रहना जरूरी है। जरा सी लापरवाही से आप बीमार भी हो सकती हैं। किन बातों का रखें ध्यान, जानिए।

होली के उमंग में डाइट का रखें ध्यान

होली के मौके पर लोग खूब खाते-पीते हैं, खुशियां मनाते हैं। लेकिन इस दौरान खान-पान में होने वाली जरा-सी लापरवाही आपकी हेल्थ को बिगाड़ सकती है। ज्यादा मिर्च-मसाले और घी-तेल वाले व्यंजन खाने से एसिडिटी, फूड प्वॉइजनिंग, ब्लड शुगर और बीपी बढ़ने जैसी समस्याएं आमतौर पर देखी जाती हैं। इसलिए होली के अवसर पर यह बहुत जरूरी है कि खान-पान के मामले में आप पूरी सजगता बरतें और संतुलित आहार लें।

तला-भुना और मीठा खाने से बचें: होली के अवसर पर लोग गुझिया, पकौड़े, कचौरी, मिठाइयां और मैदे से बने व्यंजन खूब खाते हैं। इससे अपच, गैस, एसिडिटी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसकी वजह से कई बार कोलेस्ट्रॉल भी बढ़ जाता है। अधिक मीठे के सेवन से शुगर लेवल भी बढ़ सकता है। इन समस्याओं से बचने के लिए ऐसी गरिष्ठ चीजों का सेवन संतुलित मात्रा में करें।

देर तक खाली पेट न रहें: त्योहार के दौरान काम की व्यस्तता की वजह से कई महिलाएं लंबे समय तक खाली पेट रहती हैं। इससे उन्हें गैस, एसिडिटी जैसी समस्याएं परेशान कर सकती हैं। ऐसी समस्याओं से बचने के लिए कुछ घंटे के अंतराल पर नट्स, ड्राई फ्रूट्स और भुने चने जैसे हेल्दी स्नैक्स खा सकती हैं। भुने मखाने का सेवन भी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। इसलिए त्योहार के दौरान काम-काज के बीच जब भी हल्की भूख लगे, तो समय निकाल कर भुने मखाने का सेवन कर सकती हैं।

पर्याप्त मात्रा में पीएं पानी: होली के अवसर पर अधिकतर लोग तली-भुनी चीजें तो अधिक मात्रा में खाते हैं, पर उस अनुपात में पानी नहीं पीते हैं। इससे उनका शरीर डीहाइड्रेट हो जाता है। इस समस्या से बचने के लिए भरपूर मात्रा में पानी पीएं। पानी के अलावा आप जूस, छाछ, लस्सी, नीबू पानी जैसे तरल पदार्थ का सेवन भी कर सकती हैं। फलों का जूस भी पी सकती हैं।

तेल-घी दोबारा न करें यूज: त्योहार के अवसर पर कुछ भी डीप फ्राई करना हो तो उसके लिए कड़ाही में उतना ही तेल या घी डालें, जिससे तलने के बाद वो खत्म हो जाए। एक बार फ्राई के लिए यूज किए गए तेल को बार-बार गर्म करके उसका यूज करने से उसमें कार्बन मोनोऑक्साइड नामक गैस बनती है, जो सेहत के लिए नुकसानदायक होती है। इसलिए तेल या घी का दोबारा यूज न करें।

होली के दौरान खान-पान के मामले में अगर आप यहां बताई गई बातों का ध्यान रखेंगी तो आप और आपकी फैमिली को हेल्थ संबंधी कोई प्रॉब्लम नहीं होगी।

प्रस्तुति: विनीता

इन बातों का रखें ध्यान

- त्योहार के दौरान बाजार में मिलावटी डिशेज भी मिलती हैं, जो सेहत के लिए बहुत नुकसानदायक होती हैं। बाजार से रेडीमेड डिशेज खरीदने के बजाए, घर पर ही बनाएं।
- एल्कोहल, भांग जैसी नशीली चीजों से दूर रहें। इनके बजाए, लस्सी, ठंडाई, कांजी पिएं। ये पाचन के लिए भी फायदेमंद होते हैं।
- कई बार लोग लापरवाही में रंग लगे हाथों से खाना शुरू कर देते हैं। इससे फूड पॉइजनिंग का खतरा रहता है। ऐसी समस्या से बचने के लिए कुछ भी खाने से पहले अच्छी तरह हाथ धोना न भूलें।
- अगर आपने दिन में ज्यादा खा लिया है तो रात को सूप, सलाद और सैंडविच जैसी हल्की-फुल्की चीजों का ही सेवन करें।

भावनाएं

पिया के संग पहली होली

शादी के बाद पिया के संग पहली होली का अहसास बहुत ही प्यारा होता है। अगर परिवार का भी साथ हो तो ये अहसास और ज्यादा प्यारे और मधुर हो जाते हैं। फिल्म एक्ट्रेस कियारा आडवाणी और अंकिता लोखंडे **सहेली** को बता रही हैं, शादी के बाद उनकी पहली होली कैसी रही? साथ ही यह भी बता रही हैं कि इस बार उनकी होली पर क्या स्पेशल प्लानिंग है?

विक्की ने जब मुझे फूलों से बने रंगों से रंग दिया था : अंकिता लोखंडे

शादी से पहले मैं जितनी सीरियस रहती थी, विक्की से शादी होने के बाद उतनी ही मस्तीखोर हो गई हूं। अगर मैं कहूं कि फिल्मी अदाओं के साथ मस्ती-मजाक करती हूं तो कहना गलत नहीं होगा। मेरे पति विक्की ने मुझे इतना प्यार और सम्मान दिया कि मैं अपने आपको राजकुमारी समझती हूं। शादी के बाद पहली होली मैंने अपने ससुराल बिलासपुर में मनाई थी। वहां बहुत ही रीति-रिवाज के साथ होली का पर्व मनाया जाता है। उस वक्त मेरे लिए यह सब बहुत ही नया था, लेकिन मेरी सासू मां और ससुराल वालों ने मुझे इतना प्यार दिया कि मेरे लिए वह होली यादगार हो गई। खासतौर पर विक्की ने मुझे फूलों से बने रंगों से रंग दिया था। शादी के बाद पहली होली मैंने विक्की के साथ फुल रोमांटिक स्टाइल में मनाई थी, यह होली मेरे लिए सबसे यादगार रही। क्योंकि विक्की भी मुझसे बहुत प्यार करते हैं, इसलिए होली पर उन्होंने मुझे रंग लगाने और मेरे नखरे उठाने में कोई कसर नहीं छोड़ी थी। आज भी हम लोग होली बहुत जोरदार ढंग से मनाते हैं। विक्की को पार्टी का बहुत शौक है। इसलिए वह हर होली पर स्पेशल पार्टी का अरेंजमेंट करते हैं, जिसमें हमारी फैमिली वाले और सारे दोस्त शामिल होते हैं। इस साल भी हम होली को धूमधाम से मनाएंगे। अबकी हम होली दो बार मनाएंगे, एक तो कलर्स के कुकिंग शो 'लाफ्टर शेफ' के सेट पर, दूसरी अपने घर पर।

पूरे परिवार के साथ धूमधाम से मनाएंगे होली : कियारा आडवाणी

होली का त्योहार मेरे लिए किसी बड़े जश्न से कम नहीं है। फरवरी में हमारी शादी हुई थी। उसके अगले महीने ही मार्च में होली का त्योहार था, जो मैंने अपने ससुराल और पति के साथ मनाया था। होली की सुबह मैंने सबसे पहले सिद्धार्थ को रंग लगाया था, वह भी तब जब वह गहरी नींद में सो रहे थे। सिद्धार्थ ने उठने के बाद जब अपने चेहरे पर रंग लगा देखा तो उन्हें समझते देरी नहीं लगी कि यह रंग मैंने ही लगाया है। इसके बाद उन्होंने भी मुझे रंग दिया। उस दिन मैंने और सिद्धार्थ ने बहुत जमकर होली खेली थी। इस साल भी हम पूरे परिवार के साथ धूमधाम से होली मनाएंगे। मैं और सिद्धार्थ होली के मौके पर एक अच्छी पार्टी अरेंज करेंगे, जिसमें हमारे दोस्त और रिश्तेदार शामिल होंगे।

प्रस्तुति : आरती सक्सेना

खबर संक्षेप

राजपुरा में कन्या जन्म पर किया कुआं पूजन

मंडी अटेली। लड़का-लड़की में भेद दूर करते हुए एक शिक्षित परिवार ने बेटी के जन्म होने पर खूब खुशियां मनाई। अटेली खंड के गांव राजपुरा में एक शिक्षक दंपति को पोती होने पर उसका कुआं पूजन व प्रीतिभोज का आयोजन किया गया। बच्ची को आशीर्वाद देने के लिए गांव के गणमान्य लोगों समेत रिश्तेदारों व मित्र मंडली ने हिस्सा लिया।

सावित्रीबाई फुले का स्मृति दिवस मनाया

नारनौल। सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन कार्यालय हुडीना में सावित्रीबाई फुले का स्मृति दिवस मनाया। सर्वप्रथम सावित्रीबाई फुले की फोटो पर पुष्प अर्पित किए। उपस्थित जन को संबोधित करते हुए कामरेड सुभाषचंद्र एडवोकेट प्रधान सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले फाउंडेशन ने कहा वंचित समाज को शिक्षित करने के लिए बेहतरीन काम किया और महिलाओ को समाज मे अच्छा स्थान दिलाने के रुढ़िवादी परम्पराओं को हटाने के लिए संघर्ष किया तथा सती प्रथा, बाल विवाह के खिलाफ आवाज उठाई तथा विधवा विवाह पर जोर दिया।

श्रद्धालुओं ने समर्पित किए ध्वजा निशान

नारनौल। क्षेत्र के लोगों का खाटू श्याम बाबा के प्रति अटूट श्रद्धा के चलते शहर की सैकड़ों महिलाएं व पुरुष श्रद्धालुओं ने हीरो होंडा चौक से पैदल चलकर बाबा का निशान लेकर डीजे की थाप पर नाचते गाते हुए जोरासी के श्याम मंदिर में पहुंचकर श्याम बाबा खाटू के दरबार में अपनी हाजिरी लगाकर शीश नवा कर अपनी मनोकामना पूरी हो की अरदास लगाई। छठी पैदल निशान यात्रा की आयोजक सपना गुप्ता ने कहा कि बाबा के बारे में कहा गया है कि श्री श्याम बाबा अपने भक्तों का हमेशा उधार करते हैं, इसलिए उन्हें हारे का सहारा भी कहा जाता है।

उन्होंने बताया कि जोरासी धाम मंदिर में अनेक प्रकार के चमत्कार होते हैं। मंदिर में दूर दराज से लोग अपनी अपनी मनोकामनाएं लेकर आते हैं।

मेला कमेटी ने 51-51 हजार का नकद पुरस्कार प्रदान कर किया सम्मानित

मोलड़नाथ मेले में सुमेर की घोड़ी और हाजी कमरू का ऊंट दौड़ा सबसे तेज

दौड़ में 25 ऊटों व 23 घोड़ियों ने हिस्सा लिया। जिनमें ऊंट दौड़ के लिए चार तथा घोड़ी दौड़ के लिए छह ग्रुप बनाए गए थे।

हरिभूमि न्यूज ⏭ कनीना

कनीना। दौड़ प्रतियोगिता में भाग लेते ऊंट व दौड़ में श्रेष्ठ स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिनिधियों को सम्मानित करते मेला कमेटी सदस्य। फोटो : हरिभूमि

सोमवार को कनीना में बाबा मोलड़नाथ मेले का आयोजन किया गया। जिसमें सिहोर रोड पर सीएसडी कैंटीन के समीप घोड़ी व ऊंट दौड़ करवाई गई, जो मेले का मुख्य आकर्षण रही। जिसमें दूरदराज से लोगों ने हिस्सा लिया। ऊंट व घोड़ी की अलग-अलग ग्रुप वाइज दौड़ करवाई गई। दौड़ में करीब 25 ऊटों व 23 घोड़ियों ने हिस्सा लिया। जिनमें ऊंट दौड़ के लिए चार तथा घोड़ी दौड़ के लिए छह ग्रुप बनाए गए थे।

घोड़ी दौड़ में सुमेर वासी टोडा की ढाणी की घोड़ी प्रथम स्थान पर रही। इसी प्रकार राजकुमार महिपालवास की घोड़ी द्वितीय, कालू मोकलवास की घोड़ी तृतीय तथा बाबा बालकनाथ की घोड़ी चतुर्थ स्थान पर रही। ऊंट दौड़ में हाजी कमरूए नूंह का ऊंट प्रथम, सुरेश इस्लामपुर का ऊंट द्वितीय, जीता गगवाड़ी का ऊंट तृतीय व चेतराम डांगीवास ऊंट का चतुर्थ स्थान पर रहा। ऊंट व घोड़ी दौड़ में प्रथम चार स्थान पर रहने वाले प्रतिभागियों को क्रमशः 51 हजार, 41 हजार, 31 हजार, 21 हजार रुपये का नकद पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। ऊंट के ग्रुप दौड़ में अमर सिंह करोली, राजेश गिगनाऊ, चेतराम डांगीवास, संदीप गिगलाना का ऊंट प्रथम स्थान पर रहे। जिन्हें 5100 रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। इसी प्रकार घोड़ी ग्रुप दौड़ में दिनेश माधोगगढ़, भूपसिंह पाथेड़ा, सोनू लाढ़ोत, धूड़ाराम टापरी, कृष्ण दिनोद, शंकर दिनोद की घोड़ी प्रथम स्थान पर रही। जिन्हें 5100 रुपये की राशि प्रदान कर सम्मानित किया गया। सूबेदार रणवीर सिंह, सुभाष यादव व अशोक यादव ने बताया कि मेले के दृष्टिगत भीड़ को कंट्रोल करने के लिए मेला कमेटी व पुलिस कर्मचारी जुटे रहे।

पशु दौड़ की युवकों ने बनाई मोबाइल से वीडियो

पशु दौड़ के समय दर्शक दीर्घा में खड़े युवकों ने मोबाइल से वीडियो बनाई। उन्होंने बताया कि नौ मार्च की रात्रि जागरण हुआ। जिसमें हरियाणवी गायक कलाकाओं ने धार्मिक भजनों की प्रस्तुति दी। मेले में जगह-जगह भंडारे लगे रहे। जिनमें श्रद्धालुओं प्रसाद का आनंद लेते रहे। मोलड़नाथ की समाधि स्थित धूने पर श्रद्धालुओं की ओर से शक्कर व शराब का प्रसाद चढ़ाया गया। नतीजतन शराबी लोग प्रसाद के रूप में मिली अलग-अलग ब्रांड की शराब पीकर ईधर उधर दिखाई दिए। शराबियों की दिनभर मौज रही। मेले की सुरक्षा के लिए पुलिस ने मेले में मुस्तैदी बढ़ाए रखी। मेले के प्रति कनीना व आसपास के ग्रामीणों का बेहतर सहयोग रहा। मंदिर में बबली जोशी ने बताया कि धूने पर शराब व शक्कर चढ़ाने की पुरानी परंपरा है। शक्कर व शराब के प्रसाद को महत्व दिया जाता है। इस मौके पर राजेंद्र सिंह लोढ़ा, जसवंत सिंह, सरिता सिंह, मनोज यादव, पवन कुमार, चौधरी बुधराम, रमेशचंद, कंवर सिंह जेलदार, बबलू, रामफल, दिलावर सिंह आदि मौजूद थे।

महेंद्रगढ़। विजेता छात्र को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

विजय इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने कराटे प्रतियोगिता में जीता स्वर्ण पदक

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

विजय इंटरनेशनल स्कूल बलाना के छात्रों ने कैथल में आयोजित 10वीं राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर स्वर्ण पदक जीतकर अपने विद्यालय, क्षेत्र और पूरे राज्य का नाम रोशन किया। इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता का आयोजन टेकेन ऐबक एसोसिएशन द्वारा किया गया था, जिसमें रिहान पुत्र इकबाल खान और अयान पुत्र मुकेश ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम किया। प्रतियोगिता में ऐतिहासिक सफलता अर्जित करने के बाद जब दोनों छात्र एवं उनके कोच महेंद्रगढ़ पहुंचे तो विद्यालय द्वारा उनका स्वागत किया गया। संरक्षक महेंद्र सिंह टूमना ने विजेता खिलाड़ियों एवं उनके कोच को पुष्प माला से सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना। चेयरमैन विजय यादव टूमना ने कहा कि रिहान और अयान ने न केवल विद्यालय और महेंद्रगढ़ क्षेत्र का मान बढ़ाया है, बल्कि पूरे राज्य को गौरवान्वित किया है। उनकी यह उपलब्धि अन्य छात्रों के लिए भी प्रेरणादायक है। हमें गर्व है कि हमारे विद्यालय के छात्र इस स्तर पर अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अब ये होनहार खिलाड़ी अप्रैल 2025 में भूटान में आयोजित साउथ एशियन गेम्स में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे, जो अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। प्रिंसिपल नत्थू सिंह ने कहा कि विजय इंटरनेशनल स्कूल सिर्फ शैक्षणिक उपलब्धियों तक सीमित नहीं है, बल्कि यहां बच्चों के सर्वांगीण विकास पर भी विशेष ध्यान दिया जाता है।

भगवान दास अग्रवाल को राष्ट्रीय लघु उद्यम स्वर्ण ट्रॉफी पुरस्कार से सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। भगवानदास को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

खरकड़ा बास आकोदा में स्थित ज्ञानकोश-ए-ग्लोबल स्कूल के संस्थापक भगवानदास अग्रवाल को राष्ट्रीय लघु उधम स्वर्ण ट्रॉफी पुरस्कार से सम्मनित किया गया है। भगवान दास अग्रवाल द्वारा कोलकत्ता स्थित संचालित कंपनी एक्सपर्ट जो कि ग्रे-आयरन कास्टिंग उत्पादन के निर्माण आपूर्ति ओर निर्यात में संलग्न हैं। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान उनकी उत्कृष्ट निर्यात प्रदर्शन के लिए परिषद् के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए लघु उधम स्वर्ण ट्रॉफी से सम्मानित किया गया। इस दौरान 80 वर्षीय उधमी एवं समाजसेवी भगवानदास ने लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि राज्यमंत्री और ईईपी इंडिया के चेयरमैन पंकज चड्ढा समेत सभी का आभार जताया और अजीज में किए गए कार्यो की प्रशंसा की। ज्ञानकोश-ए-ग्लोबल स्कूल के ट्रस्टी आदित्य झुंझुनवाला, आलोक गुप्ता, सीईओ राकेश यादव, प्राचार्य रामनिवास, तन्नु यादव एवं विद्यालय के स्टाफ ने भगवान दास अग्रवाल को बधाई दी हैं।

आरपीएस डिग्री कॉलेज में एनएसएस कैंप संपन्न

हरिभूमि न्यूज ⏭ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि व स्वयंसेवक। फोटो : हरिभूमि

आरपीएस डिग्री कॉलेज बलाना में सात दिवसीय एनएसएस कैंप का शुभारंभ तीन मार्च को हुआ था। राष्ट्रीय सेवा योजना के उद्देश्यों की आपूर्ति के लिए यह कैंप तीन से नौ मार्च तक माधोगढ़ में आयोजित किया गया। इस सात दिवसीय कैंप में एनएसएस की दोनो इकाईयों के 100 स्वयंसेवकों ने भाग लिया। एनएसएस प्रभारी डॉ. राजेश डागर व प्रो. अनिल यादव ने बताया कि स्वयंसेवकों के सर्वांगीण विकास व राष्ट्र हित में जागरुकता व समाज सेवी कार्यक्रम के साथ यह कैंप विशेष प्रकार से एनएसएस की एक प्रमुख गतिविधि है। इस दौरान स्वयं-सेवकों ने योग अभ्यास व सुबह की प्रार्थना से दिन की शुरुआत करते हुए स्वस्थ और समय पाबंध होने का संदेश दिया।

माधोगढ़ गांव में सफाई अभियान व विभिन्न प्रकार के जागरुकता अभियान से ग्रामीणों में पर्यावरण संरक्षण, जल संरक्षण प्रबंधन, सफाई व्यवस्था व बेटी बचाओं, बेटी पढ़ाओं के प्रति एनएसएस के माध्यम से जागरुकता उत्पन्न की गई। श्रेष्ठ स्वयं-सेवक प्रियांशु सोनी व श्रेष्ठ स्वयं सेवक महिला दिव्या रही। इस दौरान स्वयं-सेवकों द्वारा राजकीय सीनियर सेकेंडरी स्कूल माधोगढ़ में पौधारोपण तथा प्रांगण की साफ-सफाई की गई। कैंप की गतिविधियों में स्वयंसेवकों द्वारा दोपहर भोजन तैयार करना तथा उनका वितरण करना खाद्य संसाधनों के उचित प्रबंधन के लिए विभिन्न प्रकार की रोमांचकारी तथा शैक्षिक यात्राओं के माध्यम से स्वयंसेवकों में स्थानिक विभिन्ताओं तथा उपलब्ध प्राकृतिक व सांस्कृतिक संसाधनों की समझ उत्पन्न हुई। कैंप के समापन पर चेयरपर्सन डॉ. पवित्रा राव ने स्वयंसेवकों को राष्ट्रहित के लिए अग्रणी व तत्पर रहने का संकल्प कराया। मौके पर कॉलेज डॉयरेक्टर डॉ. महेश यादव, रजिस्ट्रार डॉ. देवेंद्र यादव, प्रिंसिपल डॉ. देवेंद्र कादयान, डीन डॉ. हेमंत कुमार ने इस कैंप के समापन पर स्वयंसेवकों को शुभकामना दी।

नारनौल। प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित करते आयोजक।

सिहमा में दो दिवसीय पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आयोजित

नारनौल। रामकृष्ण दिव्यांग विद्यालय सिहमा में चल रहे दो दिवसीय पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का समापन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ संस्था के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंह व डायरेक्टर संयोगिता शर्मा ने मां सरस्वती के आगे दीप प्रज्ज्वलित कर किया। पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम के पहले दिन प्रोफेसर अनिल कुमार व डा. आरपी सिंह ने कहा कि पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का उद्देश्य विशेष आवश्यकता वाले बच्चों को शिक्षा और प्रशिक्षण प्रदान करना है, जिससे वे अपने जीवन में स्वतंत्रता और आत्मनिर्भरता प्राप्त कर सकें। पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देता है। जिससे विशेष आवश्यकता वाले व्यक्ति अपने जीवन में स्वतंत्रता प्राप्त कर सकें। दूसरे दिन के कार्यक्रम में प्रोफेसर सर्वेंद्र कुमार व ज्योतिष कुमार चतुर्वेदी ने बच्चों को आरपीडब्ल्यूडी एक्ट 2016 के बारे में बच्चों को विस्तार से जानकारी दी। देश के लगभग 130 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया। कार्यक्रम के समापन पर रेडक्रॉस से डा. एसपी सिंह व सुनील कुमार ने दिव्यांगों को रेडक्रॉस की ओर से मिलने वाले कृत्रिम उपकरणों के बारे में जागरूक किया।

महिला आरक्षण को तत्काल लागू करें सरकार: डा. राजवती

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। दिल्ली में महिलाओं के साथ विरोध प्रदर्शन करती कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राजवती। फोटो : हरिभूमि

देश की आधी आबादी यानी महिलाएं आज देश की सत्ता में बैठी तानाशाह व महिला विरोधी सरकार के खिलाफ जोरदार आवाज उठा रही हैं। महिला आरक्षण कानून को तुरंत लागू करने की मांग को लेकर सोमवार को दिल्ली में महिला कांग्रेस की ओर से एक बड़ा प्रदर्शन व सभा आयोजित की गई। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम का नेतृत्व महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अल्का लाम्बा ने किया।

उन्होंने कहा कि देश की महिलाओं को उनके अधिकार दिलाने तक संघर्ष जारी रहेगा। महिला आरक्षण कानून को बिना देरी के लागू किया जाए। बहन बेटियों की सुरक्षा व सम्मान सुनिश्चित किया जाए। महिलाओं के खिलाफ बढ़ते अपराधों पर सख्त कार्रवाई हो।

हरियाणा प्रदेश की महेंद्रगढ़ जिला महिला कांग्रेस अध्यक्ष डा. राजवती यादव ने भी दिल्ली में इस प्रदर्शन में सक्रिय भागीदारी निभाई। उन्होंने कहा यह आंदोलन देश की हर बहन बेटी की आवाज है। जब तक महिला आरक्षण कानून लागू नहीं होगा, हमारी लड़ाई जारी रहेगी। देश की आधी आबादी को सत्ता में भागीदारी दिए बिना सशक्त भारत की कल्पना अधूरी है।

महिला कांग्रेस ने दो टूक कहा कि सरकार यदि महिलाओं के हक को दबाएगी, तो देश की हर महिला इसके खिलाफ सड़कों पर उतरकर जवाब देगी। देश की आधी आबादी को न्याय दिलाने के लिए हमारी लड़ाई सड़क से संसद तक जारी रहेगी। इस राष्ट्रीय स्तर के आंदोलन में हर राज्य से आई महिला कांग्रेस की नेताओं व कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया।

महेंद्रगढ़। विद्यार्थियों को सम्मानित करते चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव। फोटो : हरिभूमि

श्रीकृष्णा स्कूल के विद्यार्थियों ने सिल्वर जोन मैथ ओलम्पियाड में किया शानदार प्रदर्शन

महेंद्रगढ़। श्रीकृष्णा स्कूल सिहमा के विद्यार्थी सिल्वर जोन मैथ ओलम्पियाड में जोनल टॉपर रहते हुए स्कूल एवं क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कोर्डिनेटर सुशीला यादव व स्मृति शर्मा ने बताया कि स्कूल के विद्यार्थी कक्षा प्रथम से पीयूष व मायरा ने सिल्वर जोन मैथ ओलम्पियाड में टॉपर स्थान प्राप्त किया। वहीं उन्हें गोल्ड मेडल व 500 रुपये की नकदी देकर सम्मानित किया गया। वहीं कक्षा दूसरी से वरुण देव ने गोल्ड, सक्षम, कल्पना, सुभांष, युवान ने सिल्वर मेडल व नव्या ने ब्रांज मेडल प्राप्त किया। चेयरमैन डॉ. बीरसिंह यादव ने कहा कि गणित वह विषय है, जो संभावनाओं को शिखर तक पहुंचाता है। यह किसी भी प्रतिभा को वह मंच दे सकता है वह अपने आपको सफलता के एक नया आयाम स्थापित कर सके।

जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा का संचालन 16 से

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

रेलवे की ओर से खाटू श्यामजी मेले में अतिरिक्त यात्री यातायात को ध्यान में रखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु जयपुर-भिवानी-जयपुर स्पेषल रेलसेवा का संचालन किया जाएगा।

रहा उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसम्पर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार गाड़ी संख्या 09733 जयपुर-भिवानी स्पेशल रेलसेवा 16 मार्च से 31 मार्च तक (16 ट्रिप) जयपुर से 07:00 बजे रवाना होकर 14:20 बजे भिवानी पहुंचेगी। इसी प्रकार गाड़ी संख्या 09734 भिवानी-जयपुर स्पेशल रेलसेवा 16 मार्च से 31 मार्च तक (16 ट्रिप) भिवानी से 16:05 बजे रवाना होकर 23:25 बजे जयपुर पहुंचेगी।

महेंद्रगढ़। सफलता प्राप्त करने वले विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए। फोटो : हरिभूमि

आरडी ग्रीनफील्ड स्कूल ने साइंस का परिणाम किया घोषित

महेंद्रगढ़। अटेली रोड पर बुंदेबाज नगर स्थित गुरुकुलमप्त आरडी ग्रीनफील्ड पब्लिक स्कूल में साइंस का परिणाम घोषित किया गया। इस परीक्षा में कुल 45 बच्चों ने भाग लिया था। इस परीक्षा में 23 बच्चों ने गोल्ड मेडल, छह बच्चों ने सिल्वर तथा दो बच्चों ने ब्रांज मेडल प्राप्त किया। चेयरमैन डॉ. देवेंद्र सिंह, एमडी ओपी यादव, सीईओ डॉ. हनुमान यादव, प्रिंसिपल भरत सिंह तथा समस्त स्टाफ उपस्थित रहे। चेयरमैन डॉ. देवेंद्र सिंह ने बच्चों को बधाई दी व बताया कि किस प्रकार हम अनुशासन में रहकर व कड़ी मेहनत करते हुए सफलता के मुकाम पर पहुंच सकते हैं। सफलता की एक ही कुंजी है और वह है अनुशासन व कड़ी मेहनत। उन्होंने बच्चों को शपथ दिलवाई कि हम अपने माता-पिता व गुरुजनों का अनुसरण करते हुए जीवन में हमेशा अनुशासन में रहेंगे व कड़ी मेहनत करते हुए आगे बढ़ेंगे तथा कभी भी जीवन में बुरी संगत व बुरी आदतों को नहीं अपनाएंगे।

नारनौल। एमआर स्कूल के विद्यार्थी व स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

एमआर विद्यार्थियों ने विज्ञान ओलंपियाड में दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

एमआर पब्लिक स्कूल मित्रपुरा में अंतर राष्ट्रीय ओलंपियाड परीक्षा का आयोजन किया गया। सिल्वर जोन ओलंपियाड ने छात्रों को अपने कौशल का परीक्षण करने के लिए कई मंच प्रदान किए। विद्यार्थियों ने सांइस आयोजन में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

सभी श्रेणियों में मेडल हासिल किए। साइंउ ओलंपियाड में 23 गोल्ड मेडल, 26 सिल्वर मेडल व 21 ब्रॉन्ज मेडल प्राप्त किए। गोल्ड मेडल के विजेताओं में दिपांशी, मानसी, शिक्षा, अंश, संध्या, वंश व तनिश शामिल थी। सिल्वर मेडल में जेयंशी, जानवी,पारस, नेशी, मयंक व ब्रॉन्ज मेडल में योगिता, पुरवी, पीहू, वंशिका व तनिंश आदि विद्यार्थी विजेता रहे। विजेता विद्यार्थियों को स्कूल प्राधानाचार्या अनिता यादव ने शुभकामनाएं दी व मेडल तथा सर्टिविकेट देकर सम्मानित किया। विज्ञान के अध्यापक राकेश व अध्यापिका रीना, हरप्रीत, ज्योति, मनोज, मुकेश, मींटू, सुमन, स्नेश, विनिता व सुशीला आदि का विद्यार्थियों के अच्छे परिणाम में विशेष योगदान रहा।

डा. पलक की पुस्तक कांस्टीट्यूशनल, ह्यूमन एंड मॉरल वैल्यूज एंड आईपीआर विमोचित

हरिभूमि न्यूज ⏭ नारनौल

नारनौल। डा. पलक द्वारा रचित पुस्तक का विमोचन करते हुए प्राचार्य डा. पूर्णप्रभा। फोटो : हरिभूमि

राजकीय महाविद्यालय की कंप्यूटर साइंस संकाय की सहायक प्राध्यापिका एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाली डॉ. पलक की नई पुस्तक कांस्टीट्यूशनल, ह्यूमन एंड मॉरल वैल्यूज एंड आईपीआर यानी संविधानिक मानव मूल्य और नैतिक मूल्य एवं बौद्धिक संपदा अधिकार का विमोचन किया गया। पुस्तक का विमोचन कॉलेज प्राचार्या डा. पूर्णप्रभा के कर-कमलों से किया गया। उन्होंने डॉ. पलक को मिठाई खिलाकर बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। डा. पलक ने बताया कि इस पुस्तक का उद्देश्य पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों को संविधान, मानवाधिकार, नैतिक मूल्य और बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्वपूर्ण पहलुओं से अवगत कराना है, जो वर्तमान शिक्षा व्यवस्था और व्यावसायिक दुनिया में अत्यधिक प्रासंगिक हैं। पुस्तक में डॉ. पलक ने संविधानिक मानव मूल्यों की आवश्यकता और उनके समाज में प्रभाव की गहरी चर्चा की है। साथ ही, यह बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) के महत्व और उसके कार्यान्वयन की प्रक्रिया को भी सरल और स्पष्ट रूप से समझाती है। पोस्ट-ग्रेजुएट छात्रों के लिए यह पुस्तक एक अमूल्य संसाधन साबित होगी, जो उन्हें न केवल उनके अकादमिक जीवन में मदद करेगी, बल्कि व्यावसायिक जीवन में भी सशक्त बनाएगी। विमोचन के दौरान कॉलेज के कंप्यूटर विभागाध्यक्ष डॉ. सतीश सैनी ने बताया कि आज के समय में संविधानिक और नैतिक मूल्यों का पालन करना अत्यंत आवश्यक है।

सार्वजनिक सूचना

मैं परमानन्द पुत्र सुरेश कुमार वासी मोहल्ला सलामपुरा नारनौल तहसील नारनौल जिला महेंद्रगढ़ हरियाणा बयान करता हू कि मेरी लडकी कोमल मेरे कहने सुनने से बाहर है व आए दिन घर में लडाई झगडा करती रहती है। इसलिए मै उसको अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल करता हूं। भविष्य में उससे लेनदेन करने वाला स्वयं जिम्मेदार होगा। मेरी व मेरे बाकि परिवार की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

सूचना

मैं, सुभाष पुत्र श्री रामस्वरूप निवासी नांवा उपतहसील सतनाली व जिला महेन्द्रगढ़ बयान करता हूं कि मेरी पुत्री पूजा मेरे कहने-सुनने से बाहर है। इसलिये मैं इसको अपनी चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल करता हूं। इससे लेन-देन, व्यवहार करने वाला स्वयं जिम्मेवार होगा। मेरी व मेरे परिवार की कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

होली से पहले बाजार में रंग-गुलाल की दुकानें सजी, मार्केट में बच्चों के लिए खास पिचकारियां

खास बातें
- फाउंटेन पिचकारी, लाइट वाली और टैंक वाली खास पसंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

होली का त्योहार नजदीक आते ही बाजारों में रौनक बढ़ गई है। शहर के मुख्य बाजार विश्वकर्मा चौक, 11 हट्टा बाजार, शंकर मार्केट, शॉपिंग कॉम्पलैक्स आईटीआई रोड सहित अन्य प्रमुख बाजारों में पिचकारियां, रंग और गुलाल की दुकानें सज चुकी हैं।

दुकानदारों का कहना है कि इस बार हर्बल रंगों और नई तरह की पिचकारियों की मांग बढ़ी है।

महेंद्रगढ़। बाजार में सजी गुलाल की दुकान। फोटो : हरिभूमि

बच्चों से लेकर बड़ों तक के लिए पिचकारियां उपलब्ध हैं, जिनमें फाउंटेन पिचकारी, लाइट वाली टैंक पिचकारी और बार्बी पिचकारी खास लोगों को ज्यादा पसंद आ रही हैं।

हर्बल रंगों की बढ़ी मांग

होली पर स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लोग हर्बल रंगों की ओर ज्यादा रुझान दिखा रहे है। दुकानदारों के अनुसार, इस बार हर्बल गुलाल और रंगों की बिक्री में वृद्धि हुई है। हर्बल कलर के पांच पैक का सेट 200 रुपये में मिल रहा है। इसके अलावा, मुर्गा छाप और अन्य ब्रांडेड रंगों की भी अच्छी बिक्री हो रही है। गुलाल के छोटे पैकेट पांच रुपये से शुरू होकर 50 रुपये तक के दाम में उपलब्ध हैं।

-अमित होलदार, दुकानदार।

पिचकारी से निकलने वाले पानी के डिजाइन पर जोर

इस बार पिचकारी डिजाइन से ज्यादा पिचकारी से निकलने वाले पानी के डिजाइन पर जोर है। दुकानदार ने बताया कि अगर हम पुरानी पिचकारियों की बात करें तो इसकी कीमत में कमी आई है। अभी बाजार में ग्राहकों की संख्या इक्का-दुक्का है। आने वाले दो से तीन-दिनों में इसकी बिक्री बढ़ेगी।

रामनिवास, दुकानदार।

बच्चों के लिए खास आकर्षण

बाजारों में बच्चों के लिए अलग-अलग थीम वाली पिचकारियां उपलब्ध हैं। सुपरहीरो डिजाइन, कार्टून कैरेक्टर, त्रिशूल, हथौड़ा, पटास, डोरेमोन, छोटा भीम की पिचकारियां बच्चों को खूब लुभा रही हैं। इनमें से कई पिचकारियां जलने वाली लाइट के साथ आ रही हैं, जो रात में भी चमकती हैं। दुकानदारों को उम्मीद है कि आने वाले दिनों में ग्राहकों की संख्या और बढ़ेगी। विभिन्न बाजारों के दुकानदारों ने बताया कि इस बार बाजार में कई नए डिजाइनों की पिचकारियां आई हैं, और लोग खासतौर पर हर्बल रंगों की मांग कर रहे हैं। बाजारों में 50 रुपये से लेकर 600 रुपये तक की पिचकारियां उपलब्ध हैं। छोटे बच्चों के लिए साधारण प्लास्टिक पिचकारियां 10 से 50 रुपये तक मिल रही हैं, जबकि हाई-प्रेशर फाउंटेन पिचकारियों की कीमत 100 से 500 रुपये तक है। टैंक आकार की लाइट वाली पिचकारियां 150 से 500 रुपये तक बिक रही हैं, जो खास तौर पर लड़कों को ज्यादा पसंद आ रही हैं। वहीं, लड़कियों के लिए बार्बी पिचकारी भी आई हुई हैं, जो 150 रुपये तक की कीमत में उपलब्ध हैं। इसके अलावा 50 से 150 रुपये तक रंग वाले स्प्रे मार्केट में मिल रहें हैं। इसके अतिरिक्त 150 से 200 रुपये तक हर्बल गुलाल बाजार में उपलब्ध हैं।

भद्रा का रहेगा साया

ज्योतिषाचार्य पंडित राहुल भारद्वाज गढ़ी ने बताया कि इस वर्ष 13 मार्च वीरवार फाल्गुन पूर्णिमा को होलिका दहन किया जाएगा। अगले दिन 14 मार्च को धुलेंडी खेली जाएगी। पूर्णिमा तिथि का प्रारंभ 13 मार्च को सुबह 10:41 से होगा और 14 मार्च को दोपहर 12:27 तक रहेगी। 13 मार्च को पूर्णिमा तिथि के साथ ही भद्रा का साया भी शुरू हो जाएगा, जो सुबह 10:41 से शुरू होकर रात्रि 11:31 तक भूमि लोक पर रहेगी, जो सर्वदा त्याज्य है। शास्त्रों के अनुसार कभी भी भद्रकाल में होलिका दहन नहीं करना चाहिए। भद्रा के बाद भद्ररहित काल में पूर्णिमा तिथि में ही होलिका दहन करना शुभ माना गया है। उन्होंने बताया कि इस कारण होलिका दहन का शुभ मुहूर्त भद्रा उपरांत रात्रि 11:32 से रात्रि 12:30 तक रहेगा। इस समय होलिका दहन करना उत्तम और शास्त्र सम्मत रहेगा।

खबर संक्षेप

महामूर्ख सम्मलेन 14 मार्च को होगा

महेंद्रगढ़। होली के पावन पर्व पर मास्टर जयनारायण सांस्कृतिक मच के द्वारा दुल्हंडी वाले दिन 14 मार्च को दोपहर दो बजे श्री रामलीला परिषद पुरानी रामलीला के प्रांगण में महामूर्ख सम्मलेन के तत्वाधान में विशाल हास्य कवि सम्मेलन होगा। मंच प्रधान नरेश जोशी ने बताया कि इस कार्यक्रम में सुधीर दीवान महामूखार्धीश के पद पर सुशोभित होंगे। कार्यक्रम में मुख्यातिथि पूर्व शिक्षा मंत्री रामबिलास शर्मा होंगे, जबकि अध्यक्षता कुलदीप यादव वरिष्ठ भाजपा नेता करेंगे। सम्मेलन में राष्ट्रीय कवि सुरेश मक्कड़ साहिल द्वारा लिखित हरियाणवी काव्य संग्रह गजब करे सै किताब का लोकार्पण भी किया जाएगा।

मारपीट में 5 नामजद 11 अन्य पर केस दर्ज

मंडी अटेली। अटेली पुलिस ने एक युवक की शिकायत पर पांच नामजद सहित एक दर्जन युवकों के खिलाफ रास्ते में रोककर मारपीट करने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के अनुसार राजस्थान के गांव परतापुर निवासी अनिल कुमार पुलिस में दी शिकायत में बताया कि वह ड्राईवरी का काम करता है। लगभग एक सप्ताह से खोल निवासी जितेन्द्र के छोटे टेंपो पर ड्राइवरी करता था। गत छह मार्च को एक मोबाईल से फोन आया और बोला उसने एक शिविर लगा रखा है जिस पर पानी की 30 से 35 पेटियों कि आवश्यकता है। वह जितेन्द्र की दुकान से 35 पेटी पानी की बोतल लेकर उसके बताई जगह चल दिया।

बजट सत्र के बीच सैनीं से मिलीं कैबिनेट मंत्री आरती राव

अटेली को उपमंडल बनाने के लिए सीएम से की मांग

अबकी बार अटेली की फिर से सत्ताधारी भाजपा पार्टी की विधायक आरती राव सिंह के कैबिनेट मंत्री बनने पर लोगों में आस जगी है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

मंडी अटेली। मुख्यमंत्री को गुलदस्ता भेंट करती स्वास्थ्य मंत्री आरती राव। फोटो : हरिभूमि

हरियाणा विधानसभा का तीन दिनों से बजट सत्र चल रहा है। इस दौरान सत्ता पक्ष के विधायक जनहितैषी मुद्दों को उठा रहे हैं, जबकि विपक्षी जनसमस्याओं पर जवाब मांग रहे हैं। यह सत्र सात मार्च से चला हुआ है, जो 25 तक चलेगा। अटेली विधानसभा में क्षेत्र को सबसे बड़ा मुद्दा अटेली को सब डिवीजन बनाने का है। क्षेत्र के लोगों की बड़ी अटेली को उपमंडल बनाने की मांग लंबे समय से रही है। क्षेत्र के कनीना कस्बे को तत्कालीन सीपीएस अनीता यादव के कार्यकाल में उपमंडल बनाया गया था, लेकिन सत्ताधारी पार्टी भाजपा के दो विधायक यहां से निर्वाचित होने के बाद सब डिवीजन का नहीं बनना लोगों में बेचैनी है। अबकी बार अटेली की फिर से सत्ताधारी भाजपा पार्टी की विधायक आरती राव सिंह कैबिनेट मंत्री बनने पर लोगों में आस जगी है। विधानसभा के सत्र के तीसरे दिन कैबिनेट मंत्री आरती सिंह राव ने मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी से अटेली क्षेत्र की इस मांग को पूरा करने के लिए एक ज्ञापन सौंपा।

पत्र में मंत्री आरती सिंह राव ने बताया कि वह अटेली उपमंडल बनाने की सिफारिश करती हैं। अटेली विधानसभा दो उप मंडलों में विभाजित है, लंबे समय से इस विधानसभा के लोग अलग-अलग उपमंडल के निर्माण का अनुरोध कर रहे हैं। क्षेत्र के लोगों को व्यक्तिगत व अधिकारिक कार्यों के लिए दो उपमंडलों के बीच यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। जिसके परिणाम स्वरूप समय व संसाधनों की हानि होती है। मंत्री आरती सिंह राव ने पत्र में बताया कि उपमंडल के गठन से न केवल चुनौतियों कम होंगी, बल्कि रोजगार के अवसर पैदा होने के साथ क्षेत्र में विकास को बढ़ावा मिलेगा। बता दें कि विधानसभा के चुनावों में अटेली उपमंडल बड़ा मुद्दा था। पिछले कार्यकाल में नांगल चौधरी एक छोटा कस्बा होने के बावजूद वह उपमंडल का दर्जा ले चुका है, लेकिन अबकी बार अटेली की विधायक आरती सिंह राव मंत्री व उनके पिता राव इंद्रजीत सिंह केंद्र में मंत्री है, जो अहीरवाल के दिग्गज नेता के साथ प्रदेश में सीनियर नेताओं की गिनती में शुमार होते हैं। इसलिए क्षेत्र के मांग पूरी होने की उम्मीद है।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के राज्य स्तरीय अधिवेशन को लेकर बैठक

- अधिवेशन की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महेंद्रगढ़

महेंद्रगढ़। यादव धर्मशाला में बैठक करते हुए। फोटो : हरिभूमि

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन हरियाणा के त्रिःवार्षिक अधिवेशन को लेकर यादव धर्मशाला में आवश्यक बैठक जिला प्रधान महेंद्र सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के त्रिःवार्षिक अधिवेशन व चुनाव की तैयारियों पर चर्चा की गई।

रिटायर्ड कर्मचारी संगठन के मुख्य संगठन सचिव महेंद्र यादव ने बताया कि अधिवेशन की सफलता के लिए विभिन्न कमेटियों का गठन किया गया। इस अवसर पर स्वागत कमेटी, खाना प्रबंधक कमेटी, स्टेज प्रबंधक कमेटी सहित अन्य कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई गई। बैठक में प्रदेश सरकार द्वारा रिटायर्ड कर्मचारियों की मांगों पर भी चर्चा हुई, जिसमें मुख्य रूप से कैशलेस मेडिकल सुविधा, 65, 70, 75 वर्ष के बाद 5, 10, 15 प्रतिशत बेसिक पेंशन में बढ़ोतरी, फैमिली पेंशनर को एलटीसी की सुविधा, फिक्स्ड मेडिकल भत्ता 1000 से बढ़ाकर 3000 करना, कम्यूटेड पेंशन की रिकवरी 15 वर्ष की बजाय 12 वर्ष में रिकवर करने के मांग पत्र सहित अन्य मांगों पर सरकार को मांग पत्र भेजकर इसे तुरंत हल करने का अनुरोध किया जाएगा।

अवैध खनन व खनिज के अवैध परिवहन को लेकर अभियान, 400 वाहन चेक किए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। अवैध तरीके से खनिज का परिवहन करते पकड़े गए वाहन। फोटो : हरिभूमि

- राजस्थान से अवैध खनिज ढोते चार वाहन पकड़े, 10.70 लाख जुर्माना ठोका

उपायुक्त डा. विवेक भारती ने बताया कि अवैध खनन व खनिज के अवैध परिवहन को लेकर जिला में लगातार सघन चैकिंग अभियान चलाया जा रहा है। खनन विभाग के अलावा जिला टास्क फोर्स से जुड़े विभागों के अधिकारी भी इस अभियान में पुलिस की सहायता से लगातार फिल्ड में कड़ी निगरानी कर रहे हैं। पिछले तीन दिनों में टीम ने 400 वाहनों की चैकिंग की व चार वाहन खनिज के अवैध परिवहन करते पकड़े गए। इन पर 10.70 लाख रुपये जुर्माना लगाया गया है। डीसी ने बताया कि सरकार व जिला प्रशासन की ओर से अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि अगर कोई खनिज वाहन बिना ई रवाना के पाया जाता है, तो उसे तुरंत कब्जे में लेकर नियमानुसार कार्रवाई आरंभ की जाए। उपायुक्त ने बताया कि अवैध खनन अथवा खनिज के अवैध परिवहन को किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस संबंध में प्रदेश के मुख्यमंत्री व खनन विभाग के महानिदेशक केएम पांडुरंग खुद समय समय पर वीसी के जरिए निर्देश देते रहते हैं। जिला खनन इंजीनियर डा. राजेश कुमार ने बताया कि शुक्रवार की रात व शनिवार तथा रविवार को टीम ने 400 वाहनों की चेकिंग की।

कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर में तोड़फोड़ पर जताया आक्रोश

नांगल चौधरी। कैलिफोर्निया देश में हिंदू मंदिर की तोड़फोड़ पर बैठक करते प्रधान सतीश रावत। फोटो : हरिभूमि

नांगल चौधरी। कैलिफोर्निया में अपराधिक तत्वों ने हिंदू मंदिर को तोड़फोड़ करके नुकसान पहुंचाया है। जिससे भारतीय हिंदूओं में आक्रोश पनपना आरंभ हो गया है। अखिल भारतीय हिंदू महासभा के प्रदेशाध्यक्ष सतीश रावत की अध्यक्षता में समाज की बैठक हुई। जिसमें प्रस्ताव पारित करके प्रधानमंत्री को भेजा गया है। उन्होंने बताया कि हिंदू धर्म में अहिंसा को प्राथमिकता देने की परंपरा बनी हुई है। सभी धर्म या समुदाय को पूरा मान सम्मान दिया जाता है बावजूद असामाजिक तत्वों की आड़ लेकर हिंदूओं की आस्था को चोट पहुंचाने का सिलसिला रुका नहीं है। बीते दिनों बंगलादेश में हिंदू मंदिर व हिंदुओं पर जमकर अत्याचार हुए थे। अब कैलिफोर्निया में हिंदू मंदिर तोड़ने की घटना सामने आई है, जोकि निंदनीय व अक्षमीय है। भारत सरकार को तुरंत संज्ञान लेकर उस देश की सरकार से संपर्क करना चाहिए। दोषियों को गिरफ्तार करके कड़ी कार्रवाई करने की गुहार लगाई। इस मौके पर राजकुमार, गिरिराज थनवास, जगत गुर्जर, बिरेंद्र सिंह, संजय कुमार, शीशराम गुर्जर, जितेंद्र कुमार आदि मौजूद थे।

महासर में चल रहा पशु मेला मेले में केवल आ रहे ऊंट

मंडी अटेली। महासर गांव में चल रहे पुश मेले में पहुंचे ऊंट। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडी अटेली

ऊंट को रेगिस्तान का जहाज कहा जाता है, क्योंकि वह रेगिस्तान में आसानी से चल व दौड़ सकता है। रेगिस्तान में पानी की कमी होती है और ऊंट कई दिनों तक बिना पानी के रह सकता है। उसके पांव नीचे से गद्दीदार होते हैं, जो मिट्टी पर आसानी से चलते है। मशीनों के बढ़ते चलन से ऊंटों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। पशुओं को बढ़ावा देने के लिए सरकार द्वारा पशु मेले का आयोजन किया जाता है। अटेली खंड के महासर गांव में साल में चार बार पशु मेले का आयोजन होता है। फाल्गुन माह में इन दिनों तीन दिवसीय पशु मेला चल रहा है। मेले में केवल ऊंट पाल की हिस्सा लेते है। मेले में राजस्थान के बाड़मेर, बीकानेर, यूपी, हरियाणा, दिल्ली आदि राज्यों के ऊंट पालक हिस्सा ले रहे है मेले का आज मंगलवार को समापन होगा। मेले में राजस्थान के झुंझुनू जिले के गांव उदामंडी के बलवान ने नूंह जिले के हनीफ निवासी सलंबा ने 25 हजार रुपये का ऊंट खरीदा। मेले में सैकड़ों की संख्या में ऊंट हिस्सा ले रहे हैं। मेले में प्रशासन की ओर बिजली, पानी, पशु चिकित्सा की सुविधा नहीं होने से ऊंट पालकों में रोष देखा गया। मेले में ऊंट ब्रिकी धारक से 1000 रुपये तथा खरीदने वाले से 100 रुपये लिए जाते हैं। जानकारी के अनुसार जिले में 550 के आस-पास ऊंटों की संख्या है। पहले कई हजार ऊंट होते थे।

गावड़ी जाट में एसडीएम ने किया परीक्षा केंद्र का निरीक्षण

नारनौल। परीक्षा केंद्र का निरीक्षण करते एसडीएम मनोज कुमार। फोटो : हरिभूमि

नारनौल। हरियाणा विद्यालय शिक्षा बोर्ड भिवानी की वार्षिक परीक्षाओं के मद्देनजर सोमवार को नांगल चौधरी के एसडीएम मनोज कुमार ने गांव गावड़ी जाट में परीक्षा केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने परीक्षा के आयोजन, परीक्षा केंद्रों की व्यवस्था और परीक्षार्थियों की सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर मौजूद अधिकारियों व कर्मचारियों से भी बातचीत की तथा परीक्षा के संचालन में किसी भी प्रकार की समस्या के बारे में पूछताछ की। इस निरीक्षण के दौरान एसडीएम नांगल चौधरी ने परीक्षा केंद्रों पर सुरक्षा व्यवस्था, परीक्षा पत्रों की सुरक्षा और परीक्षार्थियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि उपायुक्त के दिशानिर्देश अनुसार जिले में सभी परीक्षाओं में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित की जा रही है। हर केंद्र पर पर्याप्त मात्रा में पुलिसकर्मी भी मौजूद हैं।

होली पर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की रहेगी नजर

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

पूजा वशिष्ठ, एसपी।

पुलिस अधीक्षक पूजा वशिष्ठ ने जिले में होली के त्योहार को शांतिपूर्ण माहौल में संपन्न करवाने के लिए जिले के सभी थाना व चौकी प्रभारियों को सुरक्षा के व्यापक प्रबंध करने के निर्देश दिए हैं। होली पर्व को कुछ ही दिन बाकी हैं। ऐसे में होली पर हुड़दंग मचाने वालों पर पुलिस की ओर से सख्ती से कार्रवाई की जाएगी। त्योहारों पर अक्सर हुड़दंग करने वालों पर पुलिस की नजर रहेगी। जिले में होली पर्व के मद्देनजर शांति एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए चप्पे-चप्पे पर निगरानी व सतर्कता के साथ गश्त करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

- पुलिस अधीक्षक ने थाना व चौकी प्रभारियों को दिए निर्देश

पुलिस अधीक्षक ने कहा कि होली पर किसी तरह का हुड़दंग न हो, इसके लिए बदमाशों पर कार्रवाई की जाए। ऐसे बदमाश जो अक्सर त्योहारों पर ही बदमाशी करते हुए कानून व्यवस्था और शांति का माहौल खराब करने का प्रयास करते हैं, उन्हें चिन्हित करते हुए कार्रवाई की जाए। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि किसी भी तरह की कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने थाना प्रभारियों को आगामी त्योहार को देखते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए आवश्यक दिशानिर्देश दिए। बदनियती से हुड़दंग करने, किसी तरह की अफवाह फैलाने अथवा शांति भंग करने की नियत से जानबूझकर कानून का उल्लंघन करने वाले शरारती असामाजिक तत्वों को किसी भी सूरत में बख्शा नहीं जाएगा। वहीं होली के दौरान स्पीड बाइकर्स पर भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी। त्योहार पर हुड़दंग करने वालों पर भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी।

नारनौल। कार्यक्रम में मौजूद महिलाएं। फोटो : हरिभूमि

फाग महोत्सव में होली खेल रहे नंदलाल जैसे गीतों पर जमकर झूमे श्रद्धालु

नारनौल। फाल्गुन माह के अवसर पर रविवार सायं सखी सहेली परिवार की ओर से फाग महोत्सव का आयोजन किया गया। महोत्सव में प्रदीप संघी व रेखा संघी मुख्य यजमान रहे। सखी सहेली परिवार की सभी महिलाओं ने एकत्र होकर लड्डु गोपाल का पूजन किया और उनके संग पुष्प होली खेल फाग महोत्सव का शुभारंभ किया। कार्यक्रम के दौरान महिलाओं ने फाल्गुन के गीत गाकर होली के त्योहार का स्वागत किया। होली के रंग में सराबोर होकर महिलाओं ने ढोलक व हारमोनियम बजाते हुए फागुन में होली खेलुंगी, छिटकण दे केश भंवर काला, राजा बल के दरबार मची रे होली और होली खेल रहे नंदलाल जैसे मनलुभावन गीतों के साथ एक दूसरे पर पुष्प और गुलाल उड़ाकर फाग महोत्सव में चार चांद लगा दिए। सखी सहेली परिवार की सदस्यों ने बताया कि भारतीय परंपरा में होली का त्योहार अन्याय पर न्याय की जीत का प्रतीक है। जिसे हम सभी अबीर, गुलाल व फूलों के साथ मनाकर एक दूसरे को बधाई देते हैं। होलिका दहन कर भक्त प्रहलाद की भक्ति को याद किया जाता है।

शिविर में एडीसी ने सुनीं शिकायतें

नारनौल। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के दिशा निर्देशानुसार प्रत्येक कार्य दिवस पर सुबह 10 से 12 बजे तक लगाए जा रहे समाधान शिविर की कड़ी में सोमवार को अतिरिक्त उपायुक्त डा. आनंद कुमार शर्मा ने लघु सचिवालय में आमजन की शिकायतें सुनी। एडीसी ने कहा कि हरियाणा सरकार का मकसद है कि नागरिकों को बिना किसी रूकावट के सरकार की योजनाओं का लाभ मिले। प्रशासन का उद्देश्य केवल समस्याओं को सुनना नहीं है, बल्कि उनका हर हाल में समाधान करना है। इस मौके पर नगराधीश मंजीत कुमार, डीएसपी सुरेश कुमार, डीडीपीओ हरिप्रकाश बंसल के अलावा विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद थे।

राष्ट्रपति को लिखा पत्र लगाई न्याय की गुहार

बोधगया में गैर-बौद्धों के कब्जे को लेकर संगठनों में रोष

- प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में बैठक आयोजित

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नारनौल

नारनौल। बैठक करते विभिन्न संगठनों के सदस्य। फोटो : हरिभूमि

बोधगया बिहार प्रदेश पर गैर-बौद्धों के अवैध कब्जे से मुक्ति दिलाने के मामले में विभिन्न संगठनों की बैठक डा. अम्बेडकर प्रतिमा स्थल पर सर्व अनुसूचित जाति संघर्ष समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान की अध्यक्षता में आयोजित की। जिसमें गैर-बौद्धों द्वारा किए जा रहे अवैध कब्जे पर रोष प्रकट किया तथा विभिन्न संगठनों ने राष्ट्रपति के नाम पत्र जारी कर मांग की कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चल रहे बिहार के महाविहार बोधगया के ऐतिहासिक स्मारक को गैर-बौद्धों के कब्जों से मुक्त करवाकर बुद्ध के असली वंशजों को सौंपा जाए। संघर्ष समिति के महासचिव व कबीर सामाजिक उत्थान संस्था दिल्ली के प्रमुख सलाहकार बिरदी चंद गोठवाल ने बताया कि महाबोधि महाविहार, बौद्ध धर्म का एक महत्वपूर्ण स्थल है, जो न केवल भारत बल्कि पूरी दुनिया के बौद्ध अनुयायियों के लिए श्रद्धा का केंद्र है। । महाबोधि महाविहार की मुक्ति केवल एक धार्मिक स्थल की रक्षा नहीं है, बल्कि यह बौद्ध धर्म के मूल्यों, तर्क, शांति और करुणा के संदेश को फैलाने का एक प्रयास भी है। जब हम एकजुट होकर अपने अधिकारों के लिए आवाज उठाते हैं, तो हम न केवल अपने धर्म की रक्षा करते हैं, बल्कि एक नई पीढ़ी को प्रेरित भी करते हैं।

इस मामले में समिति के प्रधान चन्दन सिंह जालवान, भारतीय बौद्ध महासभा की उपाध्यक्ष प्रेम यादव, केला देवी व जयनारायण आदि ने बताया कि विश्व में भारत की पहचान बुद्ध से है। बोधिस्थल बोधगया पर गैर-बौद्धों द्वारा कब्जा करना एक चिंता का विषय है। बैठक में सुरेन्द्र अम्बेडकर, साहित्यकार भूपसिंह भारती, रणधीर सिंह धीरू, वेदप्रकाश, राजेंद्र, रामसिंह जोया, कामरेड सुभाष, प्रधान जसवंत भाटी, भारतीय बौद्ध महासभा की जिला संयोजक रोशनी देवी, हरियाणा प्रदेश महिला संयोजक आशा पूनिया, बुद्धिष्ट सोसायटी ऑफ इंडिया की उपाध्यक्ष नीतू अम्बेडकर, सुमेर सिंह गोठवाल, कपिल गोरा, अनूप सिंह, स्वागत, एडवोकेट मुकेश, श्रेष्ठ फाउंडेशन हरियाणा के महासचिव महेश श्रेष्ठ, लालसिंह सैनी, अमरनाथ सिरोहा, शेरसिंह आदि मौजूद थे।